अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 260 | लखनऊ, गुरुवार, 09 अप्रैल 2026 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

भारत ने अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम का स्वागत किया

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका और ईरान के बीच हुये युद्धविराम का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे पश्चिम एशिया में स्थाई शांति स्थापित होगी। विदेश मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रम पर बुधवार को एक वक्तव्य जारी करते हुए कहा कि भारत पहले से ही इस विवाद के संवाद और कूटनीति से समाधान पर जोर देता रहा है। मंत्रालय ने कहा है, ''हम संघर्ष विराम का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी। जैसा कि हम पहले भी लगातार कहते रहे हैं, तनाव में कमी, संवाद और कूटनीति ही संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के लिए आवश्यक हैं। इस संघर्ष ने पहले ही लोगों को अत्यधिक कष्ट पहुँचाया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापारिक नेटवर्क को बाधित किया है। हमें उम्मीद है कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य के माध्यम से नौवहन की निर्बाध स्वतंत्रता और वैश्विक व्यापार का प्रवाह बना रहेगा।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने जयशंकर से मुलाकात की

नई दिल्ली। बांग्लादेश की नई सरकार के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान ने अपने पहले भारत दौरे में बुधवार को विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से मुलाकात की। इस दौरान जयशंकर ने संबंधों को और मजबूत करने की भारत की इच्छा को दोहराया। मुलाकात के बाद विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य में उम्मीद जताई है कि इसके बाद की आधिकारिक बैठकें जल्द ही आयोजित की जाएंगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान से मुलाकात की। इस बैठक में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर भी उपस्थित थे।

लाल टोपी वाले ही कानपुर की लाल इमली मिल को शुरू करायेंगे : अखिलेश

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मौजूदा सरकार को जमकर घेरा उन्होंने कहा कि सरकार पीडीए से घबराई हुई है। भाजपा के राज में गरीबों को इलाज मिलने के बजाय उन्हें चंद रुपयों का लालच देकर किडनी निकाली जा रही हैं। कानपुर का इंडस्ट्रियल एरिया हो या फिर मेट्रो यह सभी कुछ सपाइयों की देन है। यहां की बंद पड़ी लाल इमली मिल को लाल टोपी वाले ही शुरू करवा सकेंगे।

असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान आज, सभी तैयारियां पूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल (गुरुवार) को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

असम की 126, केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की किस्मत 09 अप्रैल को ईवीएम में बंद हो जाएगी। इन सभी सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया एक ही चरण में पूरी की जाएगी।

असम में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। 18-19 आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई, 2026 को समाप्त होने वाला है।

इसी तरह से केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां मुकाबला त्रिकोणीय है, जिसमें प्रमुख राजनीतिक दल शामिल हैं। सरकार बनाने के लिए 71 सीटों के बहुमत की आवश्यकता है। राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। वहीं, पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं, जिनमें से पांच सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं। सरकार बनाने के लिए 16 सीटों के बहुमत की आवश्यकता है। यहां कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं।

असम चुनाव के लिए 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर 25,054,463 मतदाता मताधिकार के हकदार हैं और इन सभी मतदान केंद्रों की निगरानी लाइव वेबकास्ट के ज़रिए की जाएगी। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय से जारी जानकारी में कहा गया है कि सीईओ अनुराग गोयल की अगुवाई में सभी संबंधित अधिकारी मतदान प्रक्रिया से जुड़ी अपनी ज़िम्मेदारियां देख रहे हैं। कानून-व्यवस्था और चुनाव खर्च समेत सभी पहलुओं की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने पहले ही केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात कर दिया है।

निगरानी व्यवस्था और मज़बूत करने के लिए आयोग के निर्देशों के मुताबिक वेबकास्टिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। सभी 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर वेबकास्टिंग की सुविधाएं चालू कर दी गई हैं, इनमें 31,486 मुख्य मतदान केंद्र और 4 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। इससे ज़िला चुनाव अधिकारियों, मुख्य चुनाव अधिकारी और भारत के चुनाव आयोग के दफ़्तरों से मतदान प्रक्रिया की रियल-टाइम (लाइव) निगरानी करना मुमकिन हो पाएगा। इसके अलावा, मतदान केंद्रों पर सुरक्षा पक्की करने के लिए, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ, जिनमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी शामिल हैं, को तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सूक्ष्म-पर्यवेक्षकों को भी तैनात किया गया है।

चुनावी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए कुल 151,132 मतदान कर्मियों को तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया के लिए 41,320 बैलेट यूनिट, 43,975 कंट्रोल यूनिट और 43,997 वीवीपैट मशीनों का इंतज़ाम किया गया है, इनमें आपातकालीन स्थितियों में इस्तेमाल के लिए रिज़र्व में रखी गई मशीनें भी शामिल हैं। ज़रूरत पड़ने पर इस्तेमाल के लिए अतिरिक्त मतदान कर्मियों को भी स्टैंडबाय पर रखा गया है।

सीईओ के दफ़्तर के मुताबिक, इस चुनाव में 722 उम्मीदवार मैदान में हैं और कुल 25,054,463 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 12,531,552 पुरुष मतदाता , 12,522,593 महिला मतदाता और ट्रांसजेंडर श्रेणी के 318 मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा, 63,423 सर्विस मतदाता भी हैं। मतदाताओं में से 642,314 लोग 18-19 आयु वर्ग के हैं, 250,006 लोग 80 वर्ष से अधिक आयु के हैं और 205,085 लोग दिव्यांग हैं।

इसके अलावा, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60(सी) के अनुसार, चुनाव आयोग ने 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और पहचान किए गए दिव्यांग व्यक्तियों के लिए डाक मतपत्र (पोस्टल बैलट) के माध्यम से घर से ही अपना वोट डालने की एक वैकल्पिक सुविधा प्रदान की है।

इसी तरह, केरल के सभी मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), रतन यू. केलकर ने बताया कि सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा। 883 उम्मीदवार की किस्मत का फैसला लगभग 2 करोड़ 70 लाख मतदाता करने वाले हैं। मतदान के लिए पूरे राज्य में 30,495 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इस आंकड़े में 24 सहायक मतदान केंद्र भी शामिल हैं।

प्रदेश के 30 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 1,099 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। बुधवार को मतदान कर्मियों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और अन्य आवश्यक सामग्रियों के साथ जीपीएस युक्त वाहनों के जरिए संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना कर दिया गया। उनके साथ सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल और हथियारबंद जवान भी तैनात किए गए हैं।

खरीफ फसलों के लिए 'पीएंडके' उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में इस साल की खरीफ की फसल (एक अप्रैल से 30 सितंबर) के लिए फॉस्फ़ेटिक और पोटाशिक (पीएंडके) उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) को मंजूरी दे दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। इस साल की खरीफ फसलों के लिए अनुमानित बजट लगभग 41,533.81 करोड़ रुपये है, जो पिछले साल की खरीफ की फसलों की तुलना में करीब 4,317 करोड़ रुपये अधिक है। पिछले वर्ष खरीफ 2025 के लिए बजट 37,216.15 करोड़ रुपये था।

केंद्र ने कहा कि इस निर्णय से किसानों को डीएपी और एनपीकेएस ग्रेड सहित 'पीएंडके' उर्वरकों की

उपलब्धता सुनिश्चित होगी और उन्हें सब्सिडी दरों पर किफायती मूल्य पर उर्वरक मिलेंगे। केंद्र ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों हालिया कीमतों को ध्यान में रखते हुए सब्सिडी दरों को मंजूरी दी गई है। वर्तमान में सरकार 28 ग्रेड के 'पीएंडके' उर्वरक, जिनमें डीएपी भी शामिल है, किसानों को सब्सिडी दरों पर दी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि एनबीएस योजना अप्रैल 2010 से लागू है और इसके तहत उर्वरक कंपनियों को अनुमोदित दरों पर सब्सिडी दी जाती है ताकि किसानों तक उर्वरक सस्ती दरों पर पहुंच सके।

प्रधानमंत्री ने कैबिनेट के फैसलों को बताया किसान, ऊर्ज़ा और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बड़ा कदम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कैबिनेट के फैसलों को देश के किसानों, स्वच्छ ऊर्ज़ा और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इन निर्णयों की जानकारी साझा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद किसानों का हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी दिशा में वर्ष 2026 के खरीफ सीजन के लिए न्यूट्रिएंट बेस्ड सब्सिडी (एनबीएस) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है।

खेत ही बनेंगे नवाचार की प्रयोगशाला: योगी

- **मुख्यमंत्री ने लखनऊ में विज्ञान कांग्रेस के उद्घाटन सत्र में कृषि वैज्ञानिकों का किया सम्मान**

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) की ओर से गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विज्ञान कंाग्रेस-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना (2025-26) के अंतर्गत चयनित उत्कृष्ट वैज्ञानिकों को सम्मानित भी किया ।

कृषि विज्ञान कंाग्रेस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कृषि विज्ञान कंाग्रेस विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित

भारत का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि तकनीकि आवश्यक है लेकिन कम लागत व कम संसाधन से अधिक उत्पादन कैसे हो सकता है इस पर काम करने की आवश्यकता है।

अब खेत ही प्रयोगशाला बने इस दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है। चुनौतियां हमेशा आती रहेंगी। हमें देशी पद्धति को विकसित करना होगा।

अन्नदाता खुशहाल तो देश व समाज खुशहाल होगामुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता खुशहाल होगा तो देश व समाज खुशहाल होगा। सरकार ने कृषि और खेती को अपने एजेण्डे का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों से गन्ना किसानों का बकाया था और चीनी मिलें बंद हो रहीं थी लेकिन आज देश का 55 फीसदी गन्ना उत्पादन अकेले उत्तर प्रदेश कर रहा है। प्रदेश में 122 चीनी मिलें चल रही हैं। गन्ना मूल्य के भुगतान में देरी नहीं हो रही है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 से पहले किसान आत्महत्या कर रहा था, पलायन करता था। वह प्रताड़ित होता था। किसान उस समय चुनावी मुद्दा होता था। किसान के मन में अविश्वास था लेकिन डबल इंजन सरकार में आज किसान आत्महत्या नहीं कर रहा है। किसानों की आमदनी कई गुना बढ़ी है। बीज से लेकर उसके उत्पादन को बेचने के लिए नीति है। किसान को हर प्रकार से सहयोग मिल रहा है।

योगी ने कहा कि पहले बिजली और पानी नहीं था, समय पर बीज व उर्वरक नहीं मिल पाता था। किसान बदहाल था। आज किसान की स्थिति सुधरी है। हर गाय को 1500 रूपये महीना उसके भरण पोषण के लिए सरकार उपलब्ध करा रही है। प्राकृतिक खेती के साथ गौशालाओं को जोड़ें। बुन्देलखण्ड से अन्ना प्रथा समाप्त हो गयी है।

उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री कृषि बलदेव सिंह औलख, गौ-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, उपकार के अध्यक्ष कैप्टन (से.नि.) विकास गुप्ता, इक्रीसेट के महानिदेशक डा. हिमांशु पाठक, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार एवं प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

उप्र के दो दर्जन जिलों में आंधी–पानी, कई जिलों में ओलावृष्टि

- **बाराबंकी में बारिश के दौरान सवारियों से भरी एक रोडवेज बस पर बबूल का पेड़ गिरा**
- **अप्रैल को पश्चिमी विक्षोभ के कारण आंधी और बारिश की संभावना है**

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बुधवार को

राजधानी लखनऊ समेत दो दर्जन जिलों में तेज आंधी और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ीं। कई जगहों में ओले भी गिरे और प्रयागराज में मेजा का सिरसा पीपा पुल क्षतिग्रस्त हुआ तो बाराबंकी में बारिश और तेज आंधी से पेड़ चलती बस पर गिर गया। मुजफ्फर नगर में सड़क धंस गयी। वहीं दूसरी ओर मौसम विभाग ने गुरुवार को भी पश्चिमी विक्षोभ के कारण आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जतायी है। हालांकि 10 अप्रैल से मौसम के शुष्क होने और 11 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ प्रदेश के मौसम को फिर से प्रभावित करने का पूर्वानुमान है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में तेज आंधी और बारिश के कारण बुधवार सुबह तापमान नीचे लुढ़क गया। यहां पिछले 24 घंटे में 5.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई। सुबह से देर शाम तक आंधी और बारिश सिर्फ लखनऊ ही नहीं बल्कि गोंडा, बाराबंकी, गोरखपुर, जौनपुर और अलीगढ़ समेत करीब 25 जिलों में दिखायी पड़ी। मेरठ, सहारनपुर, शाहजहांपुर, लखीमपुर-खीरी और बरेली समेत कई जिलों में ओलावृष्टि हुई।

अमेरिका–ईरान के बीच दो सप्ताह का संघर्षविराम

- **10 अप्रैल से स्थायी शांति पर इस्लामाबाद में वार्ता**

एजेंसी

वाशिंगटन/तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की हत्या के साथ शुरू हुआ अमेरिका-ईरान संघर्ष 40 दिन के बाद संघर्षविराम पर पहुंच गया है। इजरायल ने भी ईरान के साथ

संघर्षविराम पर सहमति जताई है, लेकिन इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने यह भी कहा है कि वह लेबनान में अपना सैन्य अभियान जारी रखेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन के समयानुसार शाम 06:32 बजे (भारतीय समयानुसार बुधवार तड़के 4:02 बजे) अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि वह ईरान पर नियोजित सैन्य हमलों को दो सप्ताह की अवधि के लिए स्थगित कर देंगे। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने भी कुछ घंटे बाद संघर्षविराम की पुष्टि करते हुए कहा कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करेगा।

योगी धुरंधर तो ठीक पर अखिलेश डकैत नहीं

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी सम्पादक

- **विधानसभा चुनाव नजदीक देख पार्टियों की ओछी हरकतें शुरू**
- **धुरंधर की कहानी को सियासी पिच पर लाने की है कोशिश**

लखनऊ। राजनीतिक दलों या नेताओं के समर्थक कभी-कभी चापलूसी के चक्कर में मर्यादा की हद पार कर जाते हैं। ऐसा ही कुछ पिछले दिनों तब हुआ जब एक भाजपा समर्थक ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को धुरंधर बताते हुए पूर्व सीएम अखिलेश यादव को धुरंधर फिल्म का रहमान डकैत बता दिया। अपने नेता की तारीफ करना कहीं से भी गलत नहीं है, लेकिन अपने नेता की तारीफ के चक्कर में किसी दूसरे नेता का चरित्र हनन ठीक नहीं है। योगी समर्थकों की निगाह में धुरंधर हो सकते हैं, महा जालंधर भी हो सकते हैं लेकिन अखिलेश यादव को रहमान डकैत कहने का अधिकार किसी को नहीं होना चाहिए। ऐसे में अगर सपा के कार्यकर्ता और नेता सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करते हैं तो उसे भी गलत नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि भाजपाई अगर योगी आदित्यनाथ को अच्छा कह सकते हैं तो सपाइयों को भी अपने नेता को सही ठहराने का अधिकार है।

धुरंधर फिल्म का जादू सिर्फ फिल्म के शौकीनों और दर्शकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर राजनीति में भी हो गया है। हुआ यह है कि सीएम योगी के एक समर्थन ने राजधानी लखनऊ में हनुमान सेतु मंदिर के पास यूनिवर्सिटी कैंपस की दीवारों पर एक होर्डिंग लगाया है। उसमें यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धुरंधर फिल्म का धुरंधर यानी अभिनेता रणवीर सिंह बताया गया है। जबकि होर्डिंग में सपा प्रमुख अखिलेश यादव को फिल्म के विलेन रहमान डकैत यानी अक्षय खन्ना के रूप में दिखाया गया है। सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि अखिलेश यादव और अक्षय खन्ना के गेटअप में काफी समानता भी दिख रही है।

इस प्रकार उत्तर प्रदेश की राजनीति में धुरंधर फिल्म और रहमान डकैत यानी अक्षय खन्ना को पुनर्जीवित किया जा रहा है। होर्डिंग में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धुरंधर बताया जा रहा है, तो समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव को ल्यारी वाला रहमान डकैत बताया गया है। और इसके जरिए जनता से पूछा जा रहा है कि आपको क्या चाहिए, धुरंधर या रहमान डकैत।

इसमें योगी को धार्मिक और हिंदूवादी नेता के रूप दर्शाते हुए कन्या भोजन कराते हुए दिखाया गया है। यानी उनकी कट्टर हिंदू वाली छवि पेश की गई है।पोस्टर में दिवंगत माफिया अतीक अहमद की फोटो लगाकर अखिलेश यादव और अतीक अहमद के रिश्तों को उजागर करने की कोशिश की गई है। इसके अलावा धुरंधर फिल्म में रहमान डकैत का किरदार की शक्ल की हूबहू नकल कर अखिलेश यादव को रहमान डकैत के गेटअप में दर्शाया गया है। होर्डिंग लगाने वाले यूथ अगेंस्ट माफिया नामक संस्था के अध्यक्ष आशुतोष सिंह हैं। उनका कहना है कि हम इसके जरिए लोगों को सच्चाई से रूबरू कराने का प्रयास कर रहे हैं।

इस मामले में सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा है कि ऐसे होर्डिंग लगवाकर भाजपा हमारे नेता अखिलेश यादव का अपमान कर रही है। खबर मिलते ही लखनऊ में इसके विरोध में मंगलवार दोपहर सपा के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए।

उन्होंने पोस्टर फाड़ डाले और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके अलावा हजरतगंज थाने में आरोपियों के खिलाफ तहरीर भी दी गई है। सपाइयों ने कहा है कि हम अपने नेता का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकते। ये होर्डिंग्स लखनऊ, जौनपुर, अमेठी समेत करीब 10 जिलों में लगवाए हैं।

होर्डिंग में नीचे लिखा है- अखिलेश का ल्यारी राज। और इसके नीचे उनके शासनकाल के दौरान हुए मुजफ्फरनगर, शामली के दंगों की खबरों की कटिंग लगी है।

मतलब यह कि उत्तर प्रदेश में जैसे-जैसे 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट आने लगी है, वैसे-वैसे राजनीतिक दलों और उनके नेताओं और समर्थकों द्वारा अनाप-शनाप हरकतें की जाने लगी हैं। इतिहास गवाह है कि राजनीति में वार पर पलटवार जरूर होता है। अगर भाजपा समर्थक बैनर लगाकर अखिलेश यादव की छवि खराब करने की कोशिश में हैं तो कल समाजवादी पार्टी समर्थक भी कोई ऐसा बैनर या वीडियो ला सकते हैं जिससे मुख्यमंत्री योगी की छवि खराब होती हो। इसलिए ऐसे होर्डिंग को एप्रिशिएट नहीं किया जा सकता। ये न तो राजनीति के हित में है और न ही जनता के। और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चक्कर में इस तरह की गिरावट राजनीति की शुचिता पर भी सवाल खड़े करती है।

प्रदेश में बढ़ा 40 फीसदी दुग्ध उत्पादन, देश में यूपी नंबर वन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- दुग्ध उत्पादन 388 लाख मीट्रिक टन के पार
- ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं ने संभाली कमान, पांच कंपनियों के जरिए जुड़ीं चार लाख महिला किसान
- सीएम योगी के कार्यकाल में पहली बार इतनी सशक्त हुईं महिलाएं

लखनऊऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी ने दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में पहले की तुलना में 40 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन बढ़ गया है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्यों को पीछे छोड़ते हुए यूपी सबसे सशक्त बनकर उभरा है।देश के कुल दुग्ध उत्पादन में पांच अग्रणी राज्यों की 54 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसमें अकेले उत्तर प्रदेश का योगदान 16 फीसदी तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा प्रदेश की बढ़ती ताकत और मजबूत डेयरी संरचना का स्पष्ट उदाहरण है।सीएम योगी के कार्यकाल में दुग्ध उत्पादन में जबरदस्त उछाल दर्ज हुआ है। वर्ष 2016-17 में जहां उत्पादन 277 लाख मीट्रिक टन था, वहीं वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 388 लाख मीट्रिक टन के पार पहुंच गया है। अपर मुख्य सचिव पशुपालन मुकेश

मेश्राम ने बताया कि करीब 40 प्रतिशत की यह वृद्धि प्रदेश में योजनाबद्ध विकास और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जमीनी स्तर पर किए गए ठोस प्रयासों का परिणाम है। दुग्ध क्रांति की बड़ी ताकत ग्रामीण महिलाएं बनीं हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से लाखों महिलाएं डेयरी गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। प्रदेश के 31 जिलों में महिला समूह प्रतिदिन करीब 10 लाख लीटर दूध का संग्रहण कर रहे हैं और करीब 5000 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुके हैं।प्रदेश में पांच प्रमुख दुग्ध उत्पादक कंपनियों के जरिए करीब चार लाख महिला किसान जुड़ीं हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है। फरवरी 2026 तक इन कंपनियों का कुल कारोबार पांच हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है।बुंदेलखंड क्षेत्र में 'बलिनी एमपीसीएल', पूर्वांचल में 'काशी एमपीसीएल', अवध क्षेत्र में सामर्थ्य एमपीसीएल, गोरखपुर मंडल में 'श्री बाबा गोरखनाथ कृपा एमपीसीएल, तराई क्षेत्र में सृजन एमपीसीएल' से जुड़कर महिलाएं रिकॉर्ड बना रही हैं। योगी सरकार के कार्यकाल में पहली बार महिलाओं को इतने बड़े पैमाने पर आर्थिक मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सशक्त बनाया गया है।

खाद्य सुरक्षा और नवाचार से समृद्ध होगा भारत: केशव प्रसाद मौर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को लखनऊ स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में 'खाद्य सुरक्षा' पर आयोजित इण्टरनेशनल कांफ्रेंस के उद्घाटन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कृषि और तकनीक के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिष्ठित विशेषज्ञों और विद्वानों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने पुस्तक का विमोचन किया। संस्थान द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को प्रमाण पत्र दिए गए। इस अवसर पर केशव प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत आज कृषि, नवाचार और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। भारत की नीतियां आज वैश्विक खाद्य सुरक्षा को दिशा दे रही हैं। नवाचार और किसानों की मेहनत के संगम से ही 'विकसित भारत' का संकल्प सिद्ध होगा। राज्य की 'डबल इंजन' सरकार में हमारे पारंपरिक उत्पादों और कृषि

विविधीकरण को नया आयाम मिला है। यूपी के स्थानीय उत्पाद आज वैश्विक मंच पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहे हैं। श्री मौर्य ने एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस कांफ्रेंस की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षित और सुलभ खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक शोध और तकनीक का एकीकरण समय की मांग है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप, हम उत्तर प्रदेश को कृषि और खाद्य प्रसंस्करण का हब बनाने के लिए संकल्पित हैं। समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न देशों से आए डेलीगेट्स और कृषि वैज्ञानिकों से संवाद किया। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी से निकले निष्कर्ष न केवल प्रदेश बल्कि वैश्विक खाद्य चुनौतियों के समाधान में मील का पत्थर साबित होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी, शिक्षाविद और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में ईरान-अमेरिका वॉर सीजफायर की खुशी मनाई गयी

लखनऊ। अमेरिका के सीजफायर के ऐलान के बाद राजधानी लखनऊ में बुधवार को ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की अहम बैठक बुलाई गई। इसमें बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोग ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की तस्वीर लेकर शामिल हुए। एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर सीजफायर का जश्न मनाया। मौलाना यासूब अब्बास ने कहा जहां एक ओर अमेरिका पूरी सभ्यता को मिटाने की धमकी दे रहा था। ईरान को खत्म करने की चेतावनी दे रहा था। वहीं अब उसे सीजफायर करना पड़ रहा है। यह सत्य की जीत है और असत्य की हार है। मौलाना ने कहा अब सुपर पावर अमेरिका या इजराइल नहीं बल्कि ईरान है। फर्जी दावे करने वाला देश पीछे हटा और सीजफायर किया। हमारा इतिहास रहा है कि इससे पहले कर्बला के मैदान में पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे को शहीद करने के लिए उनके दुश्मन यजीद ने भी यही बात कही थी। आज ईरान ने सुपर पावर को धूल चटा दी है। आज दुनिया देख रही है कि विश्व गुरु कौन है। पूरे विश्व को ईरान के रूप में नया विश्व गुरु मिल गया है। अपने मुंह से खुद को विश्व गुरु कहने वाले विश्व गुरु नहीं है। विश्व गुरु वह है जो जंग के मैदान में डटकर सुपर पावर को भगा दे। जिस ताकत के सामने अमेरिका इजरायल और तमाम सो कॉल्ड मुस्लिम देश झुक गए वह सुपर पावर है। मौलाना के कहा पाकिस्तान की क्या हैसियत है जो मध्यस्थता करेगा। उसके यहां आतंकवाद पनप रहा है। पाकिस्तान में लगातार शिया समुदाय की हत्या हो रही है। आतंकवाद सबसे ज्यादा वहीं है। सऊदी अरब के पैसे से पाकिस्तान में आतंकवाद पनप रहा है, जिससे पूरा विश्व परेशान है। भारत में भी यह लोग हमले करते हैं। यह सीज फायर के बाद भारत में सबसे ज्यादा खुशी है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक लोग एक दूसरे को बधाई दे रहे हैं। जश्न मना रहे हैं। यहां पर सत्य की जीत और असत्य की हार हुई है। हमारे यहां शहीद होने पर अफसोस नहीं मनाया जाता है।

रील बना रहे युवक की मौत,कमरा बंद करके फंदा लगाया, बैलेंस बिगड़ने से गला कसा

लखनऊ। राजधानी के मड़ियांव इलाके में रील बनाते समय एक युवक की मौत हो गई। उसकी पहचान 18 साल के मो. जाकिर के रूप में हुई। 5 अप्रैल, रविवार को वह घर में कमरा बंद करके फांसी लगाने की रील बना रहा था। संतुलन बिगड़ने से वह फंदे पर झूल गया। परिजनों ने उसे बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया। आज, बुधवार सुबह अस्पताल में उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, 5 अप्रैल की सुबह करीब 11 बजे जाकिर की मां शहनाज खाना बना रही थी। परिवार के अन्य सदस्य अपने-अपने काम पर गए थे। इसी दौरान जाकिर कमरे में गया। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद किया। फांसी का फंदा लगाकर रील बनाने लगा। इसी दौरान पैर फिसलने से वह फंदे पर लटक गया। काफी देर तक कोई आहट न मिलने पर मां शहनाज बानो ने दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, परिजनों और पड़ोसियों को बुलाकर दरवाजा तोड़वाया। अंदर जाकिर फंदे से लटकता मिला। वह बेहोश था। परिजन उसे नीचे उतारकर अस्पताल ले गए। गंभीर हालत में उसे बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा था। बुधवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पिता मो. रफीक कबाड़ का काम करते हैं। जाकिर ने आठवीं तक पढ़ाई के बाद स्कूल छोड़ दिया था। 4 भाइयों में वह तीसरे नंबर पर था। सबसे बड़ा जहांगीर सिद्दीकी, फिर जबीर और सबसे छोटा जमील है। जाकिर ने इंस्टाग्राम पर ऑफिसियल जाकिर सिड के नाम से अकाउंट बनाया था। उसमें खुद को डिजिटल क्रिएटर बताया हैं। बायो में लिखा है- आई लव मॉय फैमली, प्राउड टू बी मुस्लिम, ब्लैक लवर, म्यूजिक लवर, लैंडिंग ऑन अर्थ 17 सितंबर। उसने मात्र 11 पोस्ट किए हैं। उसके 1,718 फॉलोअर्स हैं। उसने एक पोस्ट में सरिया के बंडल में बंधे युवक को पानी पिलाते हुए वीडियो अपलोड किया है। उसके बैकग्राउंड में आवाज हा रही है कि वो इंसान कभी हार नहीं मान सकता जिसको उम्मीद अल्लाह से हो। इस पोस्ट को 26 सौ से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है।

लखनऊ में किशोरी से दुष्कर्म, नामजद आरोपितों से पुलिस कर रही पूछताछ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात को एक निर्माणाधीन मकान में किशोरी बेसूध हालत में मिली। परिजनों का कहना है कि आंधी बारिश से बचने के लिए निर्माणाधीन मकान में ठहरी बच्ची से एक किशोर ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। किशोरी शोर न मचा सके इसलिए उसके मुहं कपड़े से बांधकर उसे मारापीटा गया है। पुलिस ने नामजद आरोपित को हिरासत में लेकर किशोरी को अस्पताल पहुंचाया।

डीसीपी मध्य विक्रांत वीर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आशियाना इलाके में रहने वाली एक किशोरी अपनी मां की तबीयत खराब होने पर उसकी जगह मंगलवार की शाम काम करने के लिए गई थी। लड़की देरशाम को काम करके वापस लौट रही थी, इसी बीच तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए वह पास के एक निर्माणाधीन मकान में रुक गई। आरोप है कि निर्माणाधीन मकान में मौजूद किशोर ने किशोरी को पकड़कर उसके साथ घिनौनी हरकत की। इधर किशोरी के घर न पहुंचने पर परिजन उसे खोजबीन करते हुए पहुंचे तो वहां मौजूद मुख्य आरोपित समेत अन्य लड़के उन्हें देखकर भागने लगे। शोर मचाकर लड़कों को पकड़ लिया गया। परिजनों ने देखा कि उनकी बेटी बदहवास हालत में पड़ी थी। इसी बीच सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपितों को पकड़ लिया। बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

डीसीपी ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुख्य आरोपित समेत पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इस वारदात में अन्य युवकों की संलिप्तता है कि नहीं इसकी पुलिस जांच कर रही है।

प्राचीनतम तीर्थ नैमिषारण्य को मथुरा-वृन्दावन से जोड़े जाने की माँग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्राचीनतम तीर्थ नैमिषारण्य जहाँ 88 हजार ऋषियों/मुनियों एक साथ कथा श्रवण की तथा जहाँ वेदो, पुराणों आदि की रचना हुयी ऐसे पावन धाम को जाने हेतु रेलमार्ग की कोई सुविधा न होने से तीर्थ यात्रियो, श्रद्धालुओं को हो रही कठिनाई के निवारण हेतु गठित ङ्क नैमिषारण्य-मथुरा रेल जोड़ो अभियान समिति, उ0प्र0ङ्ग द्वारा जनपदो में चलाया जा रहा अभियान दिन प्रतिदिन जोर पकड़ता जा रहा है। समिति के महासचिव, अजय पाल सिंह सोमवंशी जी ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों में जारी अभियान के क्रम में गोरखपुर के भी 1021 नागरिकों/श्रद्धालुओं ने भी मा0 प्रधानमंत्री जी एवं रेल मंत्री जी भारत सरकार को सामूहिक हस्ताक्षरित पत्र भेजकर माँग की है कि देशभर के तीर्थ यात्रियों/श्रद्धालुओं को नैमिषारण्य आने जाने में हो रही कठिनाइयों को देखते हुए नैमिषारण्य से हरदोई होकर फर्रूखाबाद तक मात्र 112 कि0मी0 नयी रेल लाइन बिछाये जाने की

आवश्यकता है। नैमिष एवं फर्रूखाबाद को रेलमार्ग के जोड़ने से मथुरा वृन्दावन सहित न केवल प्रदेश के सभी पाँचों तीर्थ एवं वैश्विक पर्यटन केन्द्र(काशी, अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, चित्रकूट) आपस में रेलमार्ग से जुड़ जायेंगे अपितु देशभर के तीर्थों, पर्यटन केन्द्रो से नैमिषारण्य का स्वतः जुडाव हो जायेगा तथा भारतीय रेल को भी पूर्वोत्तर राज्यों से चलकर गोरखपुर, सीतापुर नैमिष, फर्रूखाबाद, मथुरा, आगरा, इटावा, होकर पश्चिमी, मध्य एव दक्षिण के राज्यों को नया रेल-गलियारा(करिड़ोर) मिल जायेगा जिससे माल ढुलाई सहित कानपुर एवं लखनऊ दिल्ली के रेलमार्गों का यातायात दबाव कम होने के साथ, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रूखाबाद, कासगंज, हाथरस, मथुरा, अलीगढ़, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, आगरा, कन्नौज, इटावा, आदि 15 प्रदेश के जनपदों की 4.50 करोड़ (साढ़े चार करोड़) जनता को आपस के जिलो में आने जाने का रेल यातायात सुलभ हो जायेगा जिससे भारतीय रेलवे को भी अत्यधिक आय होगी। महासचिव, अजय पाल सिंह सोमवंशी जी ने बताया कि इससे पूर्व लखनऊ, अयोध्या, हरदोई, मथुरा, आगरा, हाथरस, चित्रकूट, बाँदा, आजमगढ़, बलिया, आदि जनपदों से 7284 नागरिको/श्रृद्धालुओं ने मा0 प्रधानमंत्री एवं रेलमंत्री जी सामूहिक हस्ताक्षरित पत्र भेजकर नैमिषारण्य को मथुरा-वृन्दावन से जोड़ने की माँग कर चुके है। प्रदेश भर के जिलो में यह अभियान जोरदार ढ़ंग से जारी है।

लगन और इच्छाशक्ति हो तो मंजिल दूर भले हो मिलती जरूर

लखनऊ। लगन और इच्छाशक्ति हो तो मंजिल मिलती जरूर है ,समय भले ही कभी कभी कुछ ज्यादा लग जाये। नौकरी और अन्य जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए कई बार मेधावियों ने समय निकालकर लक्ष्य हासिल कर दिखाया है। ऐसा ही बाराबंकी के एक नौजवान ने कर दिखाया है। बाराबंकी जिले की तहसील सिरौली गौसपुर अंतर्गत भवानीगंज के निवासी बलदेव प्रसाद यादव के पुत्र विनय कुमार यादव ने नेवी में नौकरी करते हुए अपनी तैयारी जारी रखी। 15 साल नौकरी की। यूपीएससी की तैयारी घर पर लगातार करते रहे। कड़ी मेहनत वा लगन के परिणाम स्वरूप परीक्षा पास कर इन्होंने उत्तर प्रदेश में 33वीं रैंक हासिल की ।रामसनेही घाट क्षेत्र के मीडिया कर्मी संजय कुमार श्रीवास्तव कहते हैं कि विनय कुमार के गांव के निवासी ही नहीं उनके रिश्तेदार भी फूले नहीं समा रहे हैं। एसडीएम बनकर अपने माता-पिता गांव, क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया। विनय कुमार यादव का मवई चौराहा से लेकर जगह जगह पर स्वागत किया गया।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर, बिजली कर्मचारियों का जोरदार प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के निविदा कर्मचारियों ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मुख्यालय के बाहर कर्मचारियों ने 'इतनी शक्ति हमें देना दाता' प्रार्थना के साथ आंदोलन की शुरुआत की। फिर सड़क पर बैठकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को उठाया। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर विभाग को अवगत करा रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। कई बार ज्ञापन देने और बातचीत के बावजूद स्थिति जैसी थी वैसी ही बनी हुई है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि निविदा पर काम करने वाले कर्मियों को न तो पर्याप्त वेतन मिल रहा है और न ही उन्हें स्थायी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। इससे उनके सामने आर्थिक और सामाजिक संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को जल्द नहीं

माना गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर प्रदेश स्तर पर बिजली कार्य बाधित करने जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि वे किसी भी कीमत पर अपनी मांगों से पीछे हटने वाले नहीं हैं और जब तक ठोस आश्वासन नहीं मिलता, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

राजधानी में 12 घंटे रिमझिम बारिश, फ्लाइटें प्रभावित

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आंधी के बाद 12 घंटे से ज्यादा देर तक रिमझिम बारिश हुई। इससे बुधवार सुबह अधिकतम तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा की गिरावट हुई। अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। खराब मौसम के कारण 4 फ्लाइटें प्रभावित रहीं। बीकेटी में सैकड़ों बीघा गेहूं की फसल को नुकसान हुआ। दिन में धूप निकलने पर अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग ने 24 से 48 घंटे तक आंधी-पानी का असर बना रहने की संभावना जताया है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 34.5 और न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया था। सोमवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री दर्ज किया गया था। यह सामान्य तापमान की तुलना में 3.8 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान की तुलना में 2.1 डिग्री कम रहा। अधिकतम आर्द्रता 79 फीसदी न्यूनतम आर्द्रता 24 फीसदी दर्ज की गई।

राज्यपाल ने किया डॉ आदर्श दीपक मिश्र की स्वलिखित पुस्तक 'आत्मनिर्भर विकसित भारत में युवा नेतृत्व' का विमोचन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में आज भाजपा नेता डॉ आदर्श दीपक मिश्र (एडवोकेट हाई कोर्ट) द्वारा लिखित पुस्तक 'आत्मनिर्भर विकसित भारत में युवा नेतृत्व' का विमोचन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि देश के विकास और समाज में परिवर्तन लाने में युवाओं की उल्लेखनीय भागीदारी है। हमारे युवाओं ने विविध क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और उपलब्धियों के माध्यम से विश्व में देश का गौरव बढ़ाया है। प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सर्वोपरि है। डॉ आदर्श दीपक मिश्र की इस पुस्तक के माध्यम से युवाओं में आत्मनिर्भरता

नेतृत्व और राष्ट्र सेवा के प्रति प्रेरणा मिलेगी तथा एक नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच का संचार होगा। उन्होंने कहा यह पुस्तक देश के युवा नेतृत्व को विकसित भारत के निर्माण के लिए अवश्य प्रेरित करेगी। पुस्तक विमोचन के अवसर पर हरिजन सेवक संघ के प्रदेश सचिव विजय भाई, लोकतंत्र सेनानी प्रहलाद मिश्र, सवर्ण चेतना सभा की राष्ट्रीय संयोजक अलका अग्निहोत्री, शिक्षाविद सुशील कुमार मिश्र, निषाद पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय कश्यप ,प्रदेश महामंत्री सवर्ण चेतना सभा धीरज सिंह चौहान,सुयश मिश्रा उपस्थित रहे।

बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ा, लेकिन दीर्घकालिक निवेश की संभावना मजबूत: बंधन लाइफ इंश्योरेंस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत के शेयर बाज़ार में इस समय काफी उतार-चढ़ाव है। इसकी वजह मिडिल ईस्ट में बढ़ता तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और टैरिफ को लेकर अनिश्चितता है। इन सब कारणों से भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव तेज हो गया है और निवेशकों के निवेश के लिए फैसले लेना मुश्किल हो गया है। हालांकि, बंधन लाइफ इंश्योरेंस का मानना है कि ऐसे समय में निवेशकों के लिए अच्छे अवसर भी उभरते हैं। बंधन लाइफ में इक्विटी प्रमुख अविनाश अग्रवाल ने कहा, ''सबसे जरूरी है अनुशासन बनाए रखना, और बाजार की स्थिति चाहे जैसी भी हो, नियमित रूप से निवेश करते रहना, ताकि समय के साथ लागत संतुलित हो सके।'' अविनाश के अनुसार, पिछले 15 महीनों में मिड और स्मॉल कैप शेयरों में अच्छा-खासा सुधार देखने को मिला है, जिससे उनकी वैल्यूएशन अब अधिक संतुलित हो गई है। वित?त वर्ष 27 के लिए आय के अनुमान पहले ही कम किए जा चुके हैं, ऐसे में यह सेगमेंट मध्यम से लंबी अवधि में मजबूत ग्रोथ की संभावना पेश करता है। उन्होंने कहा कि हालांकि पी/ई रेशियो अभी भी ज्यादा लग सकते हैं,, लेकिन इसे ग्रोथ के साथ देखकर समझना चाहिए। पीईजी आधार पर मिड-कैप, लार्ज-कैप की तुलना में अधिक आकर्षक नजर आते हैं। अविनाश ने आगे कहा, ''बाजार समय के साथ संपत्ति बढ़ाता है, इसलिए निवेश में निरंतरता बेहद जरूरी है। भू-राजनीतिक स्थिति चाहे जैसे भी बदले, निवेश जारी रखना चाहिए, क्योंकि मौजूदा स्तर निवेश के लिए अनुकूल दिखते हैं। अविनाश के मुताबिक, इस अवसर का लाभ उठाने के लिए बंधन लाइफ यूलिप 'इंवेस?ट अल?टीमा' के जरिए निवेश किया जा सकता है, जो बंधन लाइफ के मिड कैप फंड में निवेश करता है। यह फंड फाइनैंशियल, इंडस्ट्रियल,, हेल्थकेयर और कैपिटल गुड्स जैसे सेक्टर्स में उभरती हुई कंपनियों में निवेश का अवसर देता है और मजबूत प्रबंधन वाली कंपनियों पर फोकस करता है। उन्होंने कहा, ''हमारा मिड कैप फंड ऐसे समय में आया है जब मिड-कैप कंपनियां पहले से कहीं ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं – बेहतर मुनाफा, कम कर्ज और भारत की ग्रोथ स्टोरी के साथ मजबूत तालमेल। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अविनाश घरेलू मांग पर आधारित सेक्टर्स को लेकर सकारात्मक हैं। उनका मानना है कि स्थिर अर्थव्यवस्था और मजबूत क्रेडिट साइकिल के चलते खासकर बैंकिंग सेक्टर को फायदा मिल सकता है। उन्होंने अनुमान जताया कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही के नतीजे मिले-जुले रह सकते हैं।

स्थापना दिवस पर गाँव पहुँचे सांसद, गिनाई सरकार की उपलब्धियां

■ लोगों से किया सीधा संवाद और सुनी जनता की समस्याएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विकास खंड के कामीपुर गाँव में मिश्रिख लोकसभा के सांसद अशोक रावत ग्रामीणों के बीच पहुंचे! जहां उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का बखान किया! गांव संपर्क अभियान के तहत घर-घर जाकर उन्होंने नव निर्माण के नौ वर्ष पुस्तिका व पत्रको का वितरण कर लोगों से विचार साझा किए! इसके साथ ही उन्होंने लोगों की समस्याओं को भी गंभीरता पूर्वक सुना तथा उन्हें शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया! कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण पार्टी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे!

सांसद ने अपने उद्बोधन में केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया! उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है! उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आवास योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन सहित अन्य योजनाओं की उपलब्धियां को गिनाते हुए कहा कि इन योजनाओं ने गरीबों के जीवन

कार्यक्रम को संबोधित करते मिश्रिख सांसद अशोक रावत फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

स्तर में सुधार लाने का कार्य किया है! सांसद ने यह भी कहा कि सरकार विकास के साथ-साथ किसानों युवाओं व महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयासरत हैं! उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वह सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और किसी भी समस्या के लिए जनप्रतिनिधि या अधिकारियों से सम्पर्क करें! जन संवाद के समय ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं संसद के समक्ष रखी! जिसमें मुख्य रूप से साधन सहकारी समिति कामीपुर का शीघ्र संचालन जर्जर विद्युत पोल व तारों को दुरुस्त कराना सहित अन्य मांगे प्रमुख रूप से रहीं, जिस पर संसद ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया! इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय शुक्ला मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह मंडल महामंत्री अजय बाजपेई बूथ अध्यक्ष बिजनेस पाल प्रधान प्रतिनिधि ओमवीर सिंह क्षेत्र पंचायत सदस्य राम लखन सलीम प्रेमपाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे!

यूपीएससी की परीक्षा पास करने पर कालेज की पूर्व छात्रा को प्रधानाचार्य ने सम्मानित किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। कस्बे के फूलमती मां सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की बालिका ने यूपीएससी की परीक्षा में पास होकर कमर्शियल टैक्स ऑफिसर के पद पर चयनित होने पर प्रधानाचार्य व शिक्षकों ने होनहार लड़की का स्वागत कियाण

ग्राम रुदामऊ निवासी दूधनाथ कनौजिया की पुत्री रूबी कनौजिया ने यूपीएससी की परीक्षा में पास होकर कमर्शियल टैक्स ऑफिसर के पद पर चयनित हुई है बुधवार को विद्यालय में स्कूल के छात्रों प्रधानाचार्य व शिक्षकों ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। रूबी कनौजिया ने कहा उसने सीमित संसाधनों के चलते उसने अपने लक्ष्य को हासिल किया है वह इस समय लेखपाल के पद पर तैनात है उसने सरकारी कार्य करते हुए रात के समय पढ़ाई को पूरा करती रही स्कूल की गरिमा साधना आकांक्षा सुरभि आदि बालिकाओं ने उसकी मेहनत व परिश्रम के बारे में जानकारी की उसने स्कूल के बच्चों से कहा कि वह भी अथक परिश्रम कर पूरी ईमानदारी के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं उसने कहा कि विद्यालय के शिक्षक दीपेंद्र आशीष गुप्ता व प्रधानाचार्य सतीश मिश्रा की प्रेरणा से आगे बढ़ती रही। शिक्षकों व प्रधानाचार्य ने होनहार बालिका को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रभात द्विवेदी राधा मिश्रा अरविंद कनौजिया आदि शिक्षक व शिक्षिकाएँ मौजूद रहे।

मीटिंग में न बुलाए जाने से नामित सभासद नाराज़

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। तहसील सभागार में सभासदों की बुलाई गई बैठक में नामित सभासदों को नहीं बुलाया गया जिससे नामित सभासदों में काफी नाराजगी देखी गई। इस बारे में सभासदों ने नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी से सवाल पूछा है कि आखिर उन्हें बैठक में क्यों नहीं बुलाया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना में कमीशन खोरी की

शिकायतें बड़ी संख्या में पहुंचने के बाद सभासदों को बुलाकर एसडीएम अंकित तिवारी ने चेतावनी दी। बुधवार को दोपहर तहसील सभागार में एसडीएम की अध्यक्षता में सभासदों की बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना में बड़े पैमाने पर की जा रही कमीशन खोरी को लेकर एसडीएम ने सभासदों को टाइट किया और चेतावनी दी कि अगर किसी की भी शिकायत अब आती है तो उस पर जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में केवल निर्वाचित सदस्यों को बुलाया गया। नामित सभासदों को कोई सूचना नहीं दी गई जिससे नाराज दूसरी बार नामित सभासद महेंद्र बाल्मीकि ने कहा बैठक बुलाने की जानकारी उन्हें भी है लेकिन नामित सभासदों को नहीं बुलाया गया। उन्होंने कहा अधिशासी अधिकारी और नगर पालिका प्रशासन से वह जानकारी चाहते हैं कि आखिर नामित सभासदों को बैठक में क्यों नहीं बुलाया गया। उनके प्रति कोई दुर्भावना है या फिर उन्हें सभासद की श्रेणी में नहीं रखा जाता है। नामित सभासदों ने उपेक्षा पर नाराजगी व्यक्त की।

कमीशन की शिकायत पर सभासदों पर होगी कार्रवाईः एसडीएम

सभासदों की बैठक लेते एसडीएम अंकित तिवारी फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। तहसील सभागार में एसडीएम द्वारा नगर पालिका परिषद के सभासदों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके त्वरित समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित शिकायतें भी संज्ञान में आईं, जिनमें यह आरोप लगाया गया कि कुछ सभासदों द्वारा लाभार्थियों को योजना का लाभ तथा द्वितीय किश्त दिलाने के नाम पर अवैध धनराशि की मांग की जा रही है। इस पर एसडीएम ने गम्भीर संज्ञान लेते हुए कड़ी नाराजगी व्यक्त की। एसडीएम ने सभी सभासदों को निर्देशित किया कि वह अपने.अपने वार्डों में जनता को जागरूक करें कि प्रधानमंत्री आवास योजना पूर्णतः पारदर्शी है तथा इसमें किसी भी प्रकार की धनराशि का लेन-देन पूर्णतः प्रतिबंधित है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि न तो कोई व्यक्ति लाभ दिलाने के नाम पर रुपये की मांग करे और न ही कोई लाभार्थी किसी को रुपये का भुगतान करे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस प्रकार की किसी भी शिकायत की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। एसडीएम ने यह भी कहा कि प्रशासन जनहित के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक बिना किसी भेदभाव एवं भ्रष्टाचार के पहुंचाया जाएगा।

ओलावृष्टि से किसानों की फसल बर्बाद

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कस्बे में तेज तूफान, बारिश और भयंकर ओलावृष्टि ने किसानों की खड़ी गेहूं की फसल को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। अचानक बदले मौसम के चलते बड़े-बड़े ओले गिरने लगे, जिससे

खेतों में लहलहा रही फसल देखते ही देखते नष्ट हो गई। मल्लावां से करीब 20 किलोमीटर के दायरे में नारायनमऊ, गौसगंज और माधवगंज तक ओलों की जबरदस्त बौछार हुई। हालात यह रहे कि खेतों, सड़कों और गलियों में ओलों की सफेद चादर बिछ गई। ओलावृष्टि की मार से गेहूं समेत अन्य फसलें जमीन पर गिरकर खराब हो गईं। किसान अपनी बर्बाद फसल देखकर मायूस नजर आए। कई किसान खेतों में खड़े होकर बेबसी जताते दिखे। किसानों का कहना है कि प्रकृति के इस प्रकोप के आगे किसी की नहीं चलती। अच्छी फसल की उम्मीद लगाए बैठे किसानों के सामने अचानक आई इस आपदा ने संकट खड़ा कर दिया है।

पिहानी के बंदर पार्क सौंदर्याकरण पर जाम का धब्बा, अतिक्रमण से बेकाबू हालात

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। ऐतिहासिक तीन बंदर पार्क पटेल चौक का सौंदर्गीकरण नगर पालिका की उपलब्धि है, लेकिन इसके आसपास लगने वाला भीषण जाम विकास पर सवाल खड़े कर रहा है। क्षेत्र में रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आमजन और स्कूली छात्र,छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जाम का मुख्य कारण पार्क के आसपास फुटपाथों पर चाट-ठेले, खोखे और अन्य दुकानदारों द्वारा किया गया अस्थायी अतिक्रमण है। सड़क के दोनों ओर अवैध कब्जों के कारण यातायात बाधित होता है, जिससे दिनभर जाम लगा रहता है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि प्रशासन और नगर पालिका की कई चेतावनियों के बावजूद ठेले वाले अपनी जगह से नहीं हट रहे हैं। दूसरी ओर, ठेला संचालकों का कहना है कि जब तक उन्हें नगर पालिका द्वारा वैकल्पिक स्थान उपलब्ध नहीं कराया जाता, तब तक वे अपना व्यवसाय जारी रखने को मजबूर हैं। इस अव्यवस्था के कारण सौंदर्याकरण का उद्देश्य प्रभावित हो रहा है। नागरिकों का कहना है कि जाम के कारण एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहनों को भी निकलने में कठिनाई होती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। उन्होंने अतिक्रमण हटाने और ठेला-खोमचा संचालकों के लिए एक अलग स्थान निर्धारित करने का आग्रह किया हैए ताकि यातायात सुचारू हो सके और पार्क का सौंदर्याकरण अपने उद्देश्य को पूरा कर सके। पिहानी कस्बे में यातायात जाम की यह समस्या बढ़ती जा रही है, जिस पर तत्काल ध्यान देना आवश्यक है।

रूपापुर पाली क्षेत्र में ओलावृष्टि से फसलों का भारी नुकसान

सवायजपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेमौसम ओलावृष्टि और भारी बारिश ने रूपापुर-पाली क्षेत्र के किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बुधवार शाम खराब मौसम के बीच तेज हवाओं के साथ हुई जोरदार बारिश और ओलावृष्टि से खेतों में तैयार खड़ी गेहूं और सरसों की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रदेश के कई जिलों में इसी तरह के मौसम को लेकर अलर्ट भी जारी है। किसानों के मुताबिक, गेहूं की फसल कटाई के लिए पूरी तरह तैयार थी, जबकि सरसों की फसल भी अंतिम चरण में थी। तेज बारिश और ओलों की मार से गेहूं की बालियां खेतों में बिछ गईं और सरसों की फलियां झड़ने लगीं। इससे पैदावार में भारी गिरावट की आशंका जताई जा रही है। कई किसानों ने बताया कि एक साल की मेहनत कुछ ही मिनटों की बारिश और ओलावृष्टि में बर्बाद हो गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि राजस्व और कृषि विभाग की टीम भेजकर तत्काल नुकसान का आकलन कराया जाए, ताकि प्रभावित किसानों को शीघ्र राहत मिल सके। विधायक

माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने प्रशासन को ओलावृष्टि से हुए नुकसान का आकलन कर शीघ्र राहत पहुचाने के निर्देश दिए, जिससे स्थानीय किसानों को भी उम्मीद बंधी है।

भाजपा स्थापना दिवसः वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार को जिला कार्यालय पर वरिष्ठ व अनुभवी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया! कार्यक्रम में पुराने व समर्पित कार्यकर्ताओं को माल्यार्पण व अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया! जिसके अंतर्गत जनसंघ कालीन भाजपा कार्यकर्ता व पूर्व जिला महामंत्री इंद्रेश्वर नाथ गुप्ता का भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने माल्यार्पण कर स्वागत किया!

इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि पार्टी की मजबूती और विस्तार में संघर्षशील कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही है! उनके संघर्ष त्याग और समर्पण के कारण ही आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हुई है! कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के अनुभवों को नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन बताते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का आवाहन किया साथ ही पार्टी की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया! कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित मीडिया प्रभारी अतुल सिंह चाउंपुर आयुष सिंह आशुतोष आजाद रामजी गुप्ता अभय दीक्षित चंदा त्रिपाठी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे!

वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता का स्वागत करते जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन

सर्राफा व्यापारी से लूट का पुलिस ने किया सफल अनावरण, छः शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

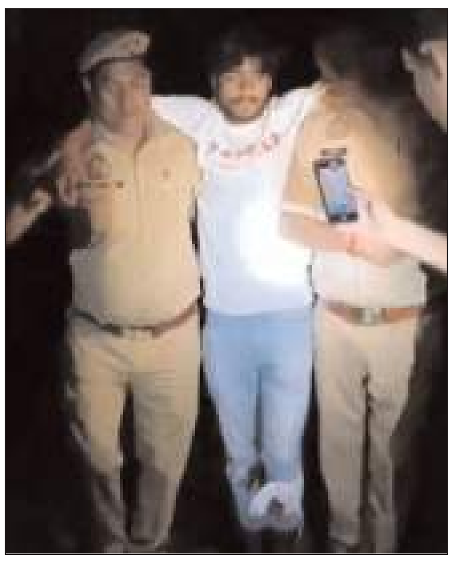

राष्ट्रीय प्रस्तावना

टड़ियावाँ (हरदोई)। पिछले दिनों टड़ियावां क्षेत्र के अंतर्गत दुकान बंद कर घर वापस जा रहे हैं सर्राफा व्यवसाई व उसके पुत्र की अवैध असलहों की नोक पर बदमाशों ने लूटपाट की थी घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ ने मौके का निरीक्षण कर परिजनों से बातचीत की थी! इसके साथ ही उन्होंने घटना का शीघ्र ही अनावरण करने का आश्वासन भी दिया था! टड़ियावां पुलिस टीम सर्विलांस एसओजी के संयुक्त प्रयास से घटना का सफल अनावरण किया गया!

मंगलवार की रात मुखबिर की सूचना पर टड़ियावां पुलिस के नेतृत्व में दधनामऊ पुल के पास पुलिस ने घेराबंदी की! इस दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार छह लोग आते दिखाई दिए जिन्हें पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास किया गया! अपने को घिरा देख पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास करने लगे जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में तीन अभियुक्त प्रियांशू वर्मा प्रशांत शुक्ला व तुषार रस्तोगी के पैर में गोली लगी जिससे वह घायल हो गए जिन्हें पुलिस ने मौके से ही गिरफ्तार कर लिया जबकि उनके तीन साथी सचिन कश्यप अंशुमान व आशीष को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया! गिरफ्तार किए गए बदमाशों के पास से दो मोटरसाइकिल अवैध असलहें मय कारतूस 24100 रुपए नगदी आठ मोबाइल फोन व लूट गए सोने व चांदी के आभूषण बरामद के लिए हैं! घटना के संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि तीनों घायल अभियुक्तों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है शेष से पूछताछ की जा रही है! इसके साथ ही गिरफ्तार किए गए सभी अपराधियों के आपराधिक इतिहास भी जुटाई जा रहे हैं!

सीएचसी हरपालपुर में मिशन शक्ति फेज 5.0 के द्वितीय चरण का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। समाज में महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ बुधवार को सीएचसी हरपालपुर में मिशन शक्ति फेज 5.0 के द्वितीय चरण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जगाया गयाए बल्कि आधुनिक युग के डिजिटल खतरों से निपटने के गुर भी सिखाए गए। जानकारी के अनुसार थाना हरपालपुर की उपनिरीक्षक अंजना सचान ने उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं में आत्मविश्वास भरते हुए कहा कि सजगता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या आपात स्थिति में महिला पावर लाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 महिलाओं के सबसे भरोसेमंद मित्र हैं। इन नंबरों पर दी गई सूचनाओं पर तत्काल और गोपनीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। आज के दौर में बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए महिला आरक्षी संध्या ने उपस्थित लोगों को आगाह किया। उन्होंने बताया कि डिजिटल दुनिया में सावधानी ही बचाव हैय यदि अनजाने में भी आप किसी साइबर फ्रॉड या ऑनलाइन ठगी का शिकार होते हैं, तो बिना समय गंवाए तत्काल 1930 पर कॉल करें। आपकी एक त्वरित कॉल ठगी गई राशि को फ्रीज कराने और अपराधी तक पहुँचने में पुलिस की बड़ी मदद कर सकती है। इसके साथ ही सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की गई, ताकि हर पात्र महिला शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सके।

युवाओं में कैंसर

अपशब्दों पर उतरे ट्रंप

अंग्रेजी की एक पुरानी कहावत है कि श्मुझे बताओ कि तुम्हारे दोस्त कौन हैं और मैं तुम्हें बताऊंगा कि तुम कौन हो, तात्पर्य यह कि हम जिस संगत में रहते हैं, उससे हमारे चरित्र का भी पता चलता है। हम नहीं जानते कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस विचार से कितना सहमत हैं। क्योंकि वे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू दोनों को अपना करीबी मित्र बताते हैं। उनके साथ व्यवहार भी कूटनीतिक शिष्टाचार से परे जाकर करते हैं। नेतन्याहू तो पहले ही युद्ध अपराधी ठहराए जा चुके हैं। ट्रंप उसी राह पर आगे बढ़ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप पर कभी कोई मुकदमा अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में दर्ज होगा या नहीं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन इस समय उनकी भाषा में जो गिरावट स्पष्ट परिलक्षित है, कम से कम उसका ख्याल रखकर ही नरेन्द्र मोदी को उनसे दूरी बना लेनी चाहिए। दरअसल ईरान पर अमेरिका और इजरायल को जंग छेड़े छह सप्ताह हो चुके हैं, जिसमें कई बार जीत का दावा करने के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप जीत के लक्षण नहीं दिखा पाए। बल्कि बार-बार युद्धविराम की अवधि को बदलते हैं और साथ ही उनकी धमकियां भी बदल रही हैं। ईरान में सत्ता परिवर्तन के ऐलान से शुरु हुआ यह युद्ध अब नागरिकों को निशाने पर लेने की धमकियों पर उतर आया है। रविवार को ईस्टर के मौके पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर ट्रंप ने ईरान को धमकी दी कि 48 घंटों में होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग खोलो वर्ना परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहो। ट्रंप ने लिखा कि मंगलवार को ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों पर व्यापक हमले हो सकते हैं, और इसे संघर्ष का निर्णायक क्षण बताया। लेकिन यह सब इसी तरह की शालीन भाषा में नहीं लिखा गया, बल्कि उन्होंने अपशब्दों का इस्तेमाल किया। और यह पहली बार नहीं है कि ट्रंप ने इस तरह सार्वजनिक तौर पर अपशब्द कहे हों। इससे पहले उन्हें पत्रकारों से चर्चा के दौरान या भाषण देते हुए भी अपशब्द बोलते देखा गया है। यह किसी लिहाज से स्वीकार्य नहीं होना चाहिए और वैश्विक नेताओं को खुलकर इसकी भर्त्सना करना चाहिए। नरेन्द्र मोदी से इसकी शुरुआत हो तो कितना अच्छा रहेगा। वैसे संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन ने ट्रंप की नवीनतम टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान में श्नागरिकों के जीवन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को नष्ट करने, की धमकी दे रहे हैं। मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, श्यदि संयुक्त राष्ट्र की अंतरात्मा जीवित होती, तो वह युद्ध भड़काने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की खुली और बेशर्म धमकी पर चुप नहीं रहती। ट्रंप इस क्षेत्र को एक अंतहीन युद्ध में घसीटना चाहते हैं।, इसमें कहा गया, श्यह नागरिकों को आतंकित करने के लिए प्रत्यक्ष और सार्वजनिक उकसावा है और युद्ध अपराध करने के इरादे का स्पष्ट प्रमाण है।, इसमें आगे कहा गया- श्अंतरराष्ट्रीय समुदाय और सभी राज्यों का यह कानूनी दायित्व है कि वे युद्ध अपराधों के ऐसे जघन्य कृत्यों को रोकें। उन्हें अभी कार्रवाई करनी चाहिए। कल बहुत देर हो जाएगी।, वहीं ईरानी संसद के अध्यक्ष गलिबाफ ने कहा कि ट्रंप के श्लापरवाह कदमों से अमेरिका के हर परिवार को एक जीती-जागती नरक में धकेला जा रहा है, हमारा पूरा क्षेत्र जल उठेगा क्योंकि आप नेतन्याहू के आदेशों का पालन करने पर अड़े हैं।, गलिबाफ के इस बयान से असहमत होने का कोई कारण नहीं है, क्योंकि ट्रंप जिस तरह अपने बयान बदल रहे हैं, उसमें यही लगता है कि पटकथा कोई और लिख रहा है, केवल संवाद अदायगी ट्रंप की है। क्योंकि अपशब्द वाले बयान के बाद ट्रंप ने फॉक्स न्यूज के एक पत्रकार से कहा, मुझे लगता है कि सोमवार को समझौता होने की अच्छी संभावना है, वे (ईरान) अभी बातचीत कर रहे हैं। तो ट्रंप को लगता है कि ईरान अब भी उनसे बात कर समझौता करेगा, जबकि ईरान की सबसे बड़ी सैन्य कमांड यूनिट खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के

देश में बीस फीसदी मामले चालीस वर्ष से कम आयु के पुरुषों व महिलाओं में पाए गए हैं। जिसमें साठ फीसदी मरीज पुरुष हैं। कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सिर व गर्दन के कैंसर के हैं, जो करीब छब्बीस प्रतिशत बताए गए हैं। इसके बाद ये आंकड़े बताते हैं कि सोलह फीसदी मामले गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर के, पंद्रह फीसदी स्तन कैंसर तथा रक्त कैंसर के मामले नौ फीसदी हैं। कैंसर विशेषज्ञों का मानना है कि युवा पीढ़ी में बढ़ते कैंसर के खतरे की वजह तंबाकू व शराब का सेवन है। वहीं दूसरी ओर मोटापा भी एक बड़ा कारक है। जिसके मूल में युवाओं का निष्क्रिय जीवन भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि कैंसर के मामले बढ़ने की एक वजह प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन भी है।

कांग्रेस अध्यक्ष का अनर्गल प्रलाप

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा तथ्यों, नीतियों और विचारों से हटकर कटु, उग्र और विभाजनकारी भाषा में बदल जाए, तब समझ लीजिए वह लोकतंत्रीय चेतना को आहत करने लगी है। कहना होगा कि कांग्रेस के रार्ष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा असम की एक चुनावी सभा में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को जहरीला सांप बताने वाला बयान इसी गिरते राजनीतिक स्तर का परिचायक है। यह टिप्पणी देखी जाए तो संपूर्ण लोकतांत्रिक मर्यादाओं और सामाजिक सौहार्द पर आज प्रश्नचिह्न खड़ा करती दिखती है। असम के नीलांबाजार में दिए गए इस बयान में खड़गे ने धार्मिक संदर्भ का उपयोग करते हुए मुसलमानों से यहां तक कह दिया कि कुरान में लिखा है कि नमाज पढ़ते समय अगर कोई जहरीला सांप दिख जाए तो उसे तुरंत मार देना चाहिए। इसी तर्ज पर उन्होंने भाजपा-आरएसएस को खत्म करने की बात कही। बोले, बीजेपी-आरएसएस वह जहरीला सांप है। अगर इन्हें नहीं मारा तो जान बचाना मुश्किल हो जाएगा। यह भाषा राजनीतिक आलोचना कहीं से भी नहीं है बल्कि एक खतरनाक संकेत समाज में वैमनस्य फैलाने के संबंध में है। यदि इस पूरे विवाद को तथ्यों और जमीनी हकीकत के संदर्भ में देखा जाए, तब सच स्वयं में प्रकाशमान हो उठता है, समझ आता है कि कांग्रेस के रार्ष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का लगाया गया आरोप कितना विद्वेशपूर्ण और असत्य है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्सर अल्पसंख्यक खासकर (मुसलमान और ईसाई) विरोधी होने का आरोप लगाया जाता है, किंतु सरकारी योजनाओं और उनके लाभार्थियों के आंकड़े इस दावे को कमजोर करते हैं। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हर विपदा के दौरान एवं सहज स्थिति में समाज जीवन के हित जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, वे इस झूठ को सिरे से नकारने के लिए पर्याप्त हैं। पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं पर नजर डालें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि इनका लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2015 से 2024 के बीच लगभग 03 करोड़ से अधिक पक्के मकानों का निर्माण हुआ। विभिन्न राज्यों के आंकड़ों के अनुसार, इन लाभार्थियों में अल्पसंख्यक समुदाय की हिस्सेदारी कई स्थानों पर उनकी जनसंख्या के अनुपात से कहीं अधिक रही है। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कई जिलों में मुस्लिम लाभार्थियों की हिस्सेदारी 25 फीसद से 35 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई, जबकि उनकी जनसंख्या लगभग 18ऽ20% के आसपास है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 9.6 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन वितरित किए गए। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इनमें बड़ी संख्या में मुस्लिम और अन्य अल्पसंख्यक महिलाओं को लाभ मिला। कई सामाजिक अध्ययनों में यह पाया गया कि ग्रामीण मुस्लिम परिवारों में उज्ज्वला योजना का प्रभाव विशेष रूप से सकारात्मक रहा, जिससे धुएं से होने वाली बीमारियों में कमी आई। किसी को नहीं भूलना चाहिए कि स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना एक ऐतिहासिक पहल रही है। इस योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक लोगों को 05 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज दिया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 06 करोड़ से अधिक अस्पताल उपचार इस योजना के तहत हो चुके हैं। इनमें अल्पसंख्यक समुदाय की भागीदारी उल्लेखनीय रही है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां आर्थिक रूप से पिछड़े मुस्लिम समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं। आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का प्रभाव भी उल्लेखनीय है। इस योजना के तहत अब तक 40 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से लगभग 60 फीसद लाभार्थी महिलाएं हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, मुस्लिम समुदाय के छोटे व्यापारियों और कारीगरों ने इस योजना का व्यापक लाभ उठाया है। कई राज्यों में मुद्रा लोन प्राप्त करने वालों में मुस्लिम उद्यमियों की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत तक पहुंची है। शिक्षा के क्षेत्र में भी केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए चलाई जा रही छात्रवृत्ति योजनाएं उल्लेखनीय हैं। प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक और मेरिट-कम-मीन्स स्कॉलरशिप के तहत हर वर्ष लाखों छात्रों को सहायता दी जाती है। 2014 से 2023 के बीच 05 करोड़ से अधिक छात्रवृत्तियां वितरित की गईं, जिनमें बड़ी संख्या मुस्लिम छात्रों की रही है। इसके बाद के सालों में भी यही स्थिति देखने को मिलती है, वस्तुतः यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भाजपा सरकार की प्राथमिकता 'समावेशी विकास' है, न कि चयनात्मक लाभ किसी को प्रदान करना है। अब एक सरल उदाहरण से भी इसे समझ लेते हैं, मान लीजिए किसी राज्य में मुस्लिम आबादी 20 प्रतिशत है, किंतु जब सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन आते हैं, तो उनमें से 30ऽ40 प्रतिशत लाभार्थी मुस्लिम समुदाय से होते हैं। इसका कारण यह है कि ये योजनाएं धर्म के आधार पर नहीं, आर्थिक और सामाजिक जरूरत के आधार पर लागू की जाती हैं। यानी जो गरीब है, वंचित है, वही प्राथमिकता में आता है चाहे वह किसी भी धर्म-समुदाय का ही क्यों न हो। राज्य स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। असम में हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में चल रही योजनाओं में सभी समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था और योजनाओं के वितरण में पारदर्शिता आई है, जिससे सभी वर्गों को समान रूप से लाभ मिला है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, दिल्ली, गुजरात, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र आज आप किसी भी भाजपा शासित राज्य के आंकड़ों को उठाकर देख कसते हैं। जनसंख्या के अनुपात में सबसे अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ उल्पसंख्यक विशेषकर मुसलमानों के द्वारा ही उठाया जा रहा है। इसके विपरीत, कांग्रेस का राजनीतिक नैरेटिव लंबे समय से भय और भ्रम पर आधारित रहा है। अल्पसंख्यकों में उसके द्वारा खासतौर पर मुसलमानों और ईसाईयों के बीच यह संदेश देने की कोशिश की जाती रही है कि भाजपा और संघ उनके विरोधी हैं। किंतु जब वास्तविकता में योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचता है, तो यह नैरेटिव कमजोर पड़ता है। राजनीतिक विमर्श में भाषा की मर्यादा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। जहरीला सांप और मार देना चाहिए जैसे शब्द सीधे तौर पर उकसावे की श्रेणी में आते हैं। यह लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करते हैं और समाज में विभाजन को बढ़ावा देते हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में इस प्रकार की भाषा बोलना पूरी तरह से अनुचित और खतरनाक है। यह सभी समझ लें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा पर यदि निष्पक्ष दृष्टि से विचार किया जाए, तो उसका मूल उद्देश्य राष्ट्र को संगठित करना और उसे सशक्त बनाना है। संघ की प्रार्थना में प्रतिदिन भारत को परम वैभव तक पहुंचाने की कामना की जाती है। यही दृष्टिकोण भारतीय जनता पार्टी की नीतियों में भी परिलक्षित होता है, जहां सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास उसकी नीति का आधार है। ऐसे में अब प्रश्न यही उठता है कि आखिर समाज में जहर कौन फैला रहा है? कौन समाज को बांटने वाली भाषा का उपयोग कर रहा है? या वह जो विकास और समावेशन की बात कर रहा है? वस्तुतः कहना होगा कि आज मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान कांग्रेस की वर्तमान स्थिति को भी दर्शाता है, जहां ठोस मुद्दों की बजाय भावनात्मक और विभाजनकारी भाषा का सहारा लिया जा रहा है। कांग्रेस को यह समझ लेना होगा कि भारत की जनता अब पहले से अधिक जागरूक है। वह भाषण से कहीं अधिक काम देखती है। आरोपों से अधिक वह परिणामों का मूल्यांकन करती है। देश में पिछले वर्षों के दौरान व्यापक स्तर पर जिस प्रकार से जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार हुआ है और उनका लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है, उसने आज विकास की राजनीति को टिकाऊ बना दिया है। यही कारण है जो भाजपा लगातार राज्यों में अपनी जीत दर्ज करा रही है। यहां समग्रता से कांग्रेस के लिए कहना यही है कि वह समय के साथ अनर्गल प्रलाप और झूठ फैलाना बंद करे। वास्तविक विकास बनाम विकास विहीन समाज के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से समझ ले, अन्यथा ऐसा न हो कि कांग्रेस जो अभी विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है, उसके लिए स्वयं का अस्तित्व भी बचाए रखना मुश्किल हो जाए, क्योंकि जनता सब देख रही है, वो सब जानती है!

कब पुनः शुरु होगी वरिष्ठ नागरिकों की 'रेल यात्रा छूट'?

निर्मल रानी

भारत सरकार ने इस अवसर का 'लाभ ' उठाते हुये वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया था। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट को समाप्त करते समय सरकार द्वारा यह तर्क दिया गया था कि अनावश्यक यात्रा रोकने के लिये यह छूट समाप्त की गयी है। परन्तु आज पूरे छः वर्ष बीत जाने के बाद भी जबकि देश भर में ट्रेन सेवाएं लगभग सामान्य हो चुकी हैं, यह छूट आज तक बहाल नहीं हुई है। ग़ौरतलब है कि उसी दौरान प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि ' इतनी बड़ी आपदा, भारत के लिए एक संकेत लेकर आई है, एक संदेश लेकर आई है, एक अवसर लेकर आई है।

मार्च 2020 में कोरोना महामारी के दौरान दुनिया के अनेक देशों में तरह तरह के अभूतपूर्व फ़ैसले लिये गये थे। प्रायः ऐसे फ़ैसलों का मक़सद कोरोना महामारी के संक्रमण को यथासंभव रोकना था। इसी दौरान पूरे विश्व में हवाई यातायात तक ठप्प हो गया था। अनेक देशों में लॉक डाउन लगा दिया गया था। कल-कारख़ाने सभी प्रकार के यातायात, व्यवसाय, उद्योग बाज़ार आदि सभी बंद कर दिये गये थे। भारत भी उन्हीं देशों में एक था जहाँ पूर्ण लॉक डाउन लगा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं 24 मार्च 2020 की रात को पहले चरण के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। 25 मार्च 2020 की मध्यरात्रि से लागू हुआ प्रथम चरण का यह पूर्ण लॉकडाउन पहले तो केवल 21 दिनों का बताया गया था परन्तु बाद में भी इसे कई चरणों में आगे बढ़ाया गया था। इसी पूर्ण लॉकडाउन के दौरान रेल सहित देश की सभी यातायात सुविधाओं को पूर्णतः स्थगित कर दिया गया था। कोरोना का प्रभाव कम होने के बाद भारतीय रेलवे ने 12 मई से चरणबद्ध तरीक़ेसे यात्री ट्रेनों को फिर से शुरू करने की योजना बनाई थी। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम 15 ''विशेष'' ट्रेनों के द्वारा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को असम, बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, जम्मू, झारखंड,कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना और त्रिपुरा के प्रमुख शहरों से जोड़ा गया था। बाद में धीरे धीरे इनका विस्तार किया गया। भारत सरकार ने इस अवसर का 'लाभ ' उठाते हुये वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया था। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट को समाप्त करते समय सरकार द्वारा यह तर्क दिया गया था कि अनावश्यक यात्रा रोकने के लिये यह छूट समाप्त की गयी है। परन्तु आज पूरे छः वर्ष बीत जाने के बाद भी जबकि देश भर में ट्रेन सेवाएं लगभग सामान्य हो चुकी हैं, यह छूट आज तक बहाल नहीं हुई है। ग़ौरतलब है कि उसी दौरान प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि इतनी बड़ी आपदा, भारत के लिए एक संकेत लेकर आई है, एक संदेश लेकर आई है, एक अवसर लेकर आई है। भारत ने आपदा को, अवसर में बदल दिया है। रेल विभाग ने भी इसी 'आपदा में अवसर' देखते हुये कोरोना काल की आड़ में कई ऐसे निर्णय ले डाले जो सरकार के लिये भले ही लाभदायक रहे हों परन्तु रेल यात्रियों के लिये तो हरगिज़ नहीं थे। मिसाल के तौर पर अनेक पैसेंजर ट्रेन को एक्सप्रेस ट्रेन बताकर कहीं स्टॉपेज कम कर दिये गये तो कहीं किराया बढ़ा दिया गया। कई ट्रेन स्थाई रूप से कैंसिल कर दी गयी तो कई ट्रेन के रुट बदल दिये गये। इनमें से कोरोना काल के समय किये गये कुछ परिवर्तन तो यथापूर्व किये गये परन्तु कुछ कोरोना काल समाप्त होने के बावजूद आज तक वैसे ही हैं। जैसे कि कोरोना काल में वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाना। सवाल यह है कि जब यह छूट समाप्त करते समय अनावश्यक यात्रा रोकने जैसा तर्क दिया गया था तो आज तक उस छूट को पुनः लागू क्यों नहीं किया गया ? जबकि अब न केवल कोरोना काल के पूर्व की लगभग सभी ट्रेन्स चल रही हैं बल्कि अनेक नई ट्रेन्स भी पटरियों पर दौड़ने लगी हैं? ग़ौरतलब है कि भारतीय रेल ने छात्र, दिव्यांगजन, रोगी, स्वतंत्रता सेनानी, युद्ध विधवाएँ जैसी कुल 53 श्रेणियों में विभिन्न स्तर पर छूट दी थी। इन्हीं में वरिष्ठ नागरिक भी शामिल थे। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली टिकट छूट की सुविधा विभिन्न चरणों में 1985 में शुरू की गई थी। अगस्त 2001 से इसे स्वैच्छिक बना दिया गया अर्थात वरिष्ठ नागरिक चाहें तो छूट ले सकते थे। लेकिन यात्रा के दौरान छूट लेने वालों को अपनी आयु का कोई न कोई प्रमाण जैसे आधार, पैन कार्ड या पासपोर्ट आदि यात्रा के समय अपने साथ रखना अनिवार्य कर दिया गया था। इस सुविधा का लाभ देश के बुज़ुर्गों ने 35 वर्षों तक उठाया परन्तु स्वयं को लोकहितकारी बताने का ढिंढोरा पीटने वाली मोदी सरकार ने इसे कोरोना की आड़ में समाप्त कर दिया। जो सरकार छूट समाप्त करते समय अनावश्यक यात्रा रोकने जैसा तर्क दे रही थी वही सरकार अब इसे सरकार पर वित्तीय बोझ मान रही है। सरकार का तर्क है कि रेलवे पहले से ही भारी घाटे में चल रही है । रेल मंत्री संसद में बता भी चुके हैं कि रेलवे सभी यात्रियों को औसतन 45% सब्सिडी दे रही है । गोया प्रत्येक यात्री को पहले से ही काफ़ी राहत मिल रही है। कुछ आंकड़े बताते हैं कि सरकार 'अनावश्यक यात्रा रोकने' जैसे उपाय कर देश के बुज़ुर्गों से अब तक दस हज़ार करोड़ से अधिक रूपये कमा चुकी है। इसी सन्दर्भ में इस बात का ज़िक्र करना भी ज़रूरी है कि बुज़ुर्गों की रेल यात्रा छूट समाप्त करने वाली यही सरकार जब चाहती है और जहाँ से चाहती है विभिन्न तीर्थ स्थलों की मुफ़्त यात्रा हेतु विशेष ट्रेन चला देती है। जब चाहती है चुनावी राज्यों के लिये स्थानीय प्रवासियों हेतु विशेष ट्रेन चलाकर उन्हें मतदान करने हेतु निःशुल्क भेजती है। गोया अपने वोट बैंक साधने के लिये तो सरकार तत्पर रहती है परन्तु इसी सरकार के पास न तो कोरोना काल की शुरुआत में इन्हीं प्रवासी मज़दूरों को उनके राज्यों व शहरों तक भेजने के लिये कोई ट्रेन थी न ही आज उन ट्रेन्स पर चलने वाले बुज़ुर्गों के लिये पूर्व में मिलने वाली छूट ? हालाँकि कभी कभार अपुष्ट सूत्रों से यह ख़बर सुनाई देती है कि शायद सरकार पुनः यह छूट देने पर विचार कर रही है। परन्तु इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया जा सका है। विपक्षी सांसदों ने इसे बुजुर्गों के साथ अन्याय बताते हुये लोकसभा में भी कई बार सवाल उठाए परन्तु सत्ता पक्ष ने वित्तीय कारण देकर यह सुविधा शुरू करने से इनकार कर दिया। बुजुर्ग संगठनों में भी इसे लेकर काफ़ी नाराज़गी व गहरी निराशा है। इसी लिये देश यह सवाल कर रहा है कि जब सांसदों विधायकों को आजीवन पेंशन देने के लिये वित्तीय कारण आड़े नहीं आते तो आख़िर सरकार बुज़ुर्गों को ट्रेन में छूट क्यों नहीं दे रही ? वरिष्ठ नागरिकों को आज भी इस बात की आस है कि आख़िर रेल यात्रा में मिलने वाली छूट कब शुरू होगी ?

युद्ध के माहौल में विश्व शांति का शंखनाद है विश्व णमोकार दिवस

विश्व णमोकार दिवस पर विशेष

ललित गर्ग

विश्व इतिहास के इस संक्रमणकाल में, जब मानवता युद्ध, हिंसा, आतंक, तनाव और असहिष्णुता के बोझ तले कराह रही है, ऐसे समय में 9 अप्रैल 2026 को मनाया जाने वाला विश्व णमोकार मंत्र दिवस एक अद्वितीय आध्यात्मिक ऊर्जा-विस्फोट के रूप में सामने आ रहा है। यह दिवस केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि दिव्य चेतना के जागरण का ऐसा अवसर है, जिसमें सामूहिक मंत्रोच्चारण से उत्पन्न होने वाली चमत्कारी और सिद्ध शक्तियां पूरे विश्व को आलोकित करने वाली हैं। एक विश्व, एक दिन, एक मंत्र-इस संकल्प के साथ प्रातः जब संपूर्ण पृथ्वी पर एक साथ णमोकार महामंत्र का उच्चारण होगा, तब यह केवल ध्वनि नहीं होगी, बल्कि एक दिव्य ऊर्जा तरंग का निर्माण होगा। आध्यात्मिक विज्ञान के अनुसार, जब लाखों-करोड़ों लोग एक ही समय पर एक ही पवित्र मंत्र का उच्चारण करते हैं, तो उससे उत्पन्न स्पंदन वातावरण को शुद्ध करते हैं, नकारात्मक ऊर्जा का क्षय करते हैं, सकारात्मक चेतना का तीव्र प्रसार करते हैं और शांति एवं अहिंसा का शंखनाद करते हैं। यह सामूहिक ऊर्जा 'संकल्प शक्ति' के रूप में कार्य करती है, जो असंभव को संभव बनाने की क्षमता रखती है। यह विलक्षण दिवस हजारों मंदिरों एवं अन्य स्थलों में जातीय बंधनों को तोड़कर सभी समुदाय, जाति, वर्ग के लोगों को सम्मिलित होने का अवसर देकर एक प्रेरणादीप बनेगा, जहां मैत्री के फूल खिलेंगे, शांति एवं सद्भावना की ज्योति रश्मियां जगमगायेगी। मानव ने ज्ञान-विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है। परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान में कमी आई है। विचार-क्रान्तियां बहुत हुईं, किन्तु आचार-स्तर पर क्रान्तिकारी परिवर्तन कम हुए। शान्ति, अहिंसा और मानवाधिकारों की बातें संसार में बहुत हो रही हैं, किन्तु सम्यक-आचरण, सम्यक-चरित्र, सम्यक-दृष्टि का अभाव अखरता है। सिद्ध एवं चमत्कारी णमोकार महामंत्र सम्यक-आचरण को उद्घाटित करने वाला किसी धर्म विशेष का नहीं है, यह एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक, सार्वदेशिक मंत्र है, जिसका उच्चारण कर व्यक्ति शुद्ध आचरण एवं स्वस्थ जीवनशैली को आकार देते हुए शांति, अहिंसा, अयुद्ध, सह-जीवन का साकार कर सकता है। 'णमोकार महामंत्र' के सामूहिक उच्चारण के माध्यम से दुनिया भर के लोगों को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास है। यह आयोजन विश्व शांति, आत्मशांति, सद्भावना और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन-जीतो संस्था के द्वारा कराया जा रहा है। इस विराट आयोजन में 180 से अधिक देशों के लाखों श्रद्धालु भाग लेंगे। विश्वभर में 100 से अधिक मेगा इवेंट्स और 6000 से अधिक मंदिरों एवं स्थलों पर यह सामूहिक जाप होगा। दिल्ली के मुख्य समारोह में भारत के 14वें राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद एवं गृहमंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति इस आयोजन को वैश्विक पहचान प्रदान करेगी। इस आयोजन से उत्पन्न होने वाली चमत्कारी और सिद्ध शक्तियों का वर्णन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि अनुभव का विषय भी है। यह मंत्र आत्मा के गहनतम स्तर को स्पर्श करता है, जहां से चेतना की शुद्ध धारा प्रवाहित होती है। ऐसा माना जाता है कि इस सामूहिक जाप के दौरान- मानसिक शांति और स्थिरता का अद्भुत अनुभव होता है, जिससे तनाव, भय और अवसाद स्वतः क्षीण होते हैं। आभामंडल की शुद्धि होती है, जिससे व्यक्ति की ऊर्जा सकारात्मक और प्रभावशाली बनती है। रोगों में राहत और स्वास्थ्य में सुधार के अनेक अनुभव सामने आते हैं, क्योंकि सकारात्मक कंपन शरीर की कोशिकाओं को संतुलित करते हैं। संकल्प सिद्धि की शक्ति बढ़ती है अर्थात जो शुभ संकल्प किए जाते हैं, वे पूर्ण होने की दिशा में तीव्र गति से

अग्रसर होते हैं। कर्म निर्जरा (कर्मों का क्षय) की प्रक्रिया तेज होती है, जिससे आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति संभव होती है। दुनिया में अनेक मंत्र हैं, किंतु दो मंत्र विशेष रूप से प्रभावशाली माने जाते हैं गायत्री मंत्र और णमोकार महामंत्र। णमोकार मंत्र न केवल जैन धर्म का मूल मंत्र है, बल्कि यह आत्मा की शुद्धि और चेतना के उत्कर्ष का सार्वभौमिक सूत्र है। इसकी शक्ति अनंत और अक्षय मानी जाती है। इसमें किसी व्यक्ति का नहीं, किंतु संपूर्ण रूप से विकसित और विकासमान विशुद्ध आत्मस्वरूप का ही दर्शन, स्मरण, चिंतन, ध्यान एवं अनुभव किया जाता है। लौकिक मंत्र आदि सिर्फ लौकिक लाभ पहुँचाते हैं, किंतु लोकोत्तर मंत्र लौकिक और लोकोत्तर दोनों कार्य सिद्ध करते हैं। इसलिए णमोकार मंत्र सर्वकार्य सिद्धिकारक लोकोत्तर मंत्र माना जाता है, सब पापों का नाश करने वाला है, यह अद्भुत शांति का कारक है। यह संसार में सबसे उत्तम मंगल को घटित करने वाला सिद्ध मंत्र है। णमोकार-स्मरण से अनेक लोगों के रोग, दरिद्रता, भय, तनाव, अशांति, विपत्तियाँ दूर होने की अनुभव सिद्ध घटनाएँ सुनी जाती हैं। मन चाहे काम आसानी से बन जाने के अनुभव भी सुने हैं। णमोकार महामंत्र के जाप एवं साधना से उत्पन्न ऊर्जा एक पाथेय है जीवनशैली को बदलने का, पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति जागरूक होने का, शांति एवं अहिंसक जीवनशैली का, शरीर, मन, आत्मा एवं प्रकृति के प्रति सचेत रहने का। मूल्यों का सम्बन्ध तो 'जियो और जीने दो' जैसे सरल श्रेष्ठ उद्घोष से है, जो णमोकार महामंत्र की सार्थक निष्पत्ति है। इस मंत्र के प्रथम पाँच पदों में 35 अक्षर और शेष दो पदों में 33 अक्षर हैं। इस तरह कुल 68 अक्षरों का यह महामंत्र समस्त कार्यों को सिद्ध करने वाला व कल्याणकारी अनादि सिद्ध मंत्र है। इसकी आराधना करने वाला स्वर्ग यानी मोक्ष- संसारबंधनों मुक्ति को प्राप्त कर लेता है। यह मन्त्र एक भावना है, एक इच्छा है, एक कामना है जो बार बार दोहराई जाती है ताकि वैसा हो जाए, इस दृष्टि में उन्नत विश्व संरचना, हिंसा एवं युद्ध मुक्ति के लिये यह कारगर है। सह-अस्तित्व के लिए अहिंसा अनिवार्य है और अहिंसा को फलित करने के लिये णमोकार महामंत्र अचूक उपक्रम है, अनुष्ठान है। दूसरों का अस्तित्व मिटाकर अपना अस्तित्व बचाए रखने की कोशिशें व्यर्थ और अन्ततः घातक होती हैं। भगवान महावीर का संदेश कि सुख सबको प्रिय है, दुःख अप्रिय-इस मंत्र की मूल भावना है। जब यह मंत्र करोड़ों कंठों से एक साथ गूंजता है, तो यह केवल शब्द नहीं रहता, बल्कि करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की वैश्विक घोषणा बन जाता है। आचार्य उमास्वाति की उक्ति परस्परोपग्रहो जीवानाम् इस सामूहिक साधना के माध्यम से जीवंत हो उठती है। गतवर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने उद्बोधन में इस मंत्र को आंतरिक क्रांति का माध्यम बताया था। उन्होंने कहा कि यह मंत्र केवल जप नहीं, बल्कि जीवन को बदलने की शक्ति है-एक ऐसा साधन जो व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और समाज को एक सूत्र में पिरोता है। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और आतंक के संकट से जूझ रहा है, तब यह आयोजन एक आध्यात्मिक ऊर्जा-संकल्प बन सकता है। यह वह क्षण होगा, जब मानवता अपनी सामूहिक चेतना से शांति का आह्वान करेगी और णमोकार मंत्र की दिव्य तरंगें विश्व को एक नई दिशा देंगी।

निश्चित तौर पर यह दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि वास्तविक परिवर्तन बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है। यदि हम इस मंत्र की शक्ति को समझकर उसे अपने जीवन में उतारें, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन, बल्कि सम्पूर्ण विश्व शांति, समरसता, अहिंसा, अयुद्ध और आनंद की दिशा में अग्रसर हो सकता है। यही इस मंत्र की चमत्कारी शक्ति है, यही इसकी सिद्धि है, और यही इसका वैश्विक संदेश है। णमोकार महामंत्र व्यक्ति में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की विराट भावना का संचार करती है। मनुष्य जाति युद्ध, हिंसा और आतंकवाद के भयंकर दुष्परिणाम भोग चुकी है, भोग रही है और किसी भी तरह के खतरे का भय हमेशा बना हुआ है। मनुष्य, मनुष्यता और दुनिया को बचाने के लिए णमोकार महामंत्र से बढ़कर कोई उपाय-आश्रय नहीं हो सकता। इस दृष्टि से विश्व णमोकार मंत्र दिवस सम्पूर्ण विश्व को आत्म-कल्याण से विश्व-कल्याण की ताकत और प्रासंगिकता से अवगत कराने का सशक्त माध्यम है। आत्मविशुद्धि और मुक्ति के साथ-साथ जीवन को सुखद, समृद्ध, निरोगी और प्रसन्न बनाने के लिए नियमित रूप से णमोकार महामंत्र का जाप करना चाहिए। णमोकार महामंत्र हमें जीवन की समस्याओं, कठिनाइयों, चिंताओं, बाधाओं से पार पहुंचाने में सबसे बड़ा आत्म-सहायक है। यह मंगल भावनाओं से भरा मंत्र जगत में मांगल्य की वृद्धि करता है। मांगल्य की भावना को बढ़ाता है। इस मंत्र के पीछे अनंत साधकों की साधना है। इसलिए इस मंत्र का नियमित जाप करने से सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं।

नगर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है सभासद : जिलाधिकारी

- भरवारी नगर पालिका में नामित सभासदों का शपथ ग्रहण संपन्न, विकास कार्यों में तेजी का संकल्प

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी स्थित अंबेडकर भवन के सभागार में बुधवार को नामित सभासदों के शपथ ग्रहण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी अरुण कुमार ने नामित सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। शपथ ग्रहण के दौरान सभागार में उत्साहपूर्ण माहौल रहा। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद भरवारी की अध्यक्ष कविता पासी, अधिशासी अधिकारी राम सिंह, वार्ड सभासदगण, जनप्रतिनिधि तथा निकाय के कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी अरुण कुमार ने कहा कि नामित सभासद नगर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी से अपेक्षा की कि वे जनसमस्याओं को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। नगर पालिका अध्यक्ष कविता पासी ने नव-नामित सभासदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी के सहयोग से नगर के विकास कार्यों को नयी गति दी जायेगी। उन्होंने स्वच्छता, पेयजल, सड़क और प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी राम सिंह ने नगर के विकास कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि नगर पालिका द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। शपथ ग्रहण के उपरांत सभी सभासदों ने नगर के समग्र विकास, स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने और आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

बरेली परिक्षेत्र ने IGRS निस्तारण में प्रदेश में पाया पहला स्थान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। जनसुनवाई समाधान प्रणाली के माध्यम से मिलने वाली शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण में बरेली परिक्षेत्र ने प्रदेश में पहली रैंक हासिल की है। शासन द्वारा जारी मार्च 2026 की रैंकिंग में बरेली परिक्षेत्र उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा।

पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी के निर्देशन में बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर और पीलीभीत जनपदों ने संयुक्त रूप से यह उपलब्धि हासिल की। परिक्षेत्र के कुल 84 थानों को भी संयुक्त रूप से प्रदेश में पहला स्थान मिला है।

बरेली जनपद के 28 थानों, बदायूं के 20 थानों, पीलीभीत के सभी 17 थानों और शाहजहांपुर के 19 थानों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। बरेली जिले में अलीगंज, महिला थाना, सुभाषनगर, इज्जतनगर, किला, बारादरी, भोजीपुरा, बहेड़ी, नवाबगंज, कोतवाली और कैंट समेत 28 थाने प्रथम स्थान पर रहे।

वहीं बदायूं के कुवरगांव, बिनावर, दातागंज, बिल्सी, बिसौली, उझानी, कोतवाली और सिविल लाइंस समेत 20 थानों ने बेहतर प्रदर्शन किया। पीलीभीत के सभी 17 थानों ने रैंकिंग में जगह बनाई, जबकि शाहजहांपुर के महिला थाना, रामचंद्र मिशन, जलालाबाद, कलान, रोजा, निगोही, कांट और सदर बाजार सहित 19 थाने अव्वल रहे। डीआईजी अजय कुमार साहनी ने बताया कि शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण और समयसीमा का पालन करने के कारण यह उपलब्धि मिली है। उन्होंने कहा कि परिक्षेत्र कार्यालय में कार्यरत आईजीआरएस कर्मी उपनिरीक्षक शालू, कम्प्यूटर ऑपरेटर अमरेंद्र कुमार और आरक्षी सलिल सक्सेना को नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिन जिलों और थानों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा, उनके कार्यों की समीक्षा कर सुधार के निर्देश दिए जाएंगे।

पीड़ित परिवार के घर पहंचे बसपा प्रदेश अध्यक्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जनपद में एक युवती की संदिग्ध मौत के मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल बुधवार को पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और उन्हें सांत्वना देते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। किरण पाल पुत्री त्रिलोकी पाल उम्र 22 वर्ष निवासी करारी थाना क्षेत्र का शव गांव के बाहर एक पेड़ से लटका मिला। स्थानीय स्तर पर चर्चा रही कि रविवार सुबह जानवर चराने को लेकर गांव के ही एक यादव परिवार से विवाद हुआ था जिसके बाद उक्त घटना घटित हुई।

बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने घटना को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कानून-व्यवस्था संभालने में विफल रही है और प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आए दिन महिलाओं और बालिकाओं के साथ अत्याचार और हत्याओं की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने पूर्व में हुई एक अन्य घटना का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उस मामले में भी पीड़ित परिवार को ही परेशान किया गया था। साथ ही उन्होंने सरकार से मांग की कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाय। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर पूरे क्षेत्र को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

विधायक ने मंदिर सौंदर्यीकरण व संपर्क मार्ग निर्माण का किया भूमि पूजन

ओरन। क्षेत्रीय विधायक ने कस्बा स्थित प्रसिद्ध बिहारी जी मंदिर सौंदर्यीकरण कार्य तथा नांदनमऊ से खेरादाई तक और सिंहपुर से केवटन पुरवा संपर्क मार्ग का भूमिपूजन विधि विधान से किया। बताया कि संपर्क मार्ग निर्माण से क्षेत्रीय लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। कस्बा स्थित प्रसिद्ध बिहारी जी मंदिर सौंदर्यीकरण कार्य तथा नांदनमऊ से खेरादाई तक और सिंहपुर से केवटन पुरवा संपर्क मार्ग का बुधवार को क्षेत्रीय विधायक ओममणि वर्मा ने मंदिर महंत गोपाल नारायण दास महराज की उपस्थित में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन किया। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि राज नारायण द्विवेदी ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक के प्रयासों से कस्बा के प्रसिद्ध बिहारी जी मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य के लिए शासन ने 1.4 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। इस मौके पर प्रभारी ईओ डिप्टी कलेक्टर इरफ़ान उल्ला खान, जेई अंकित पाल, नगर पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण द्विवेदी, राजेंद्र द्विवेदी, पूर्व चेयरमैन योगेश कुमार द्विवेदी, रमाकांत त्रिपाठी, धीरज गुप्ता, राधेश्याम साहू, गौरव द्विवेदी समेत तमाम कस्बावासी उपस्थित रहे।

ड्रोन से पहचान के बाद घेराबंदी कर 20 साइबर ठग गिरफ्तार, 17 फरार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में कमिश्नरेट पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए भोले-भाले लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाले गिरोह का फिल्मी अंदाज में भंडाफोड़ किया और मौके से 20 ठगों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि अन्य 17 फरार हो गए जिनकी तलाश जारी है। रेउना थाना क्षेत्र में पुलिस ने पहले ड्रोन की मदद से संदिग्धों को चिन्हित किया और फिर घेराबंदी कर आत्मसमर्पण के लिए चेतावनी दी। इसके बाद एक-एक कर सभी आरोपितों को दबोच लिया गया। पकड़े गए शातिरों से पूछताछ जारी है। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि बीते काफी समय से पुलिस को सूचना मिल रही थी कि रेउना थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़े पैमाने पर साइबर ठगी का गोरखधंधा बड़े ही तेजी से फल-फूल रहा है। यह गिरोह उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों सहित कर्नाटक, दिल्ली, झारखंड, उड़ीसा, बिहार, हरियाणा जैसे राज्यों में लोगों को ठगी का शिकार बना चुका है। इन्हें पकड़ने के लिए एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके को टास्क सौंपा गया। सर्विलांस टीम और क्राइम ब्रांच के साथ-साथ साइबर टीम के अलावा घाटमपुर, सजेती सांढ़ और रेउना थाना थाना पुलिस समेत डेढ़ दर्जन गाड़ियों से करीब छह दर्जन पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे सबसे पहले ड्रोन के जरिये शातिरों को चिन्हित किया गया। इसके बाद बारी-बारी से 20 को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए शातिरों ने बताया कि रोज प्रत्येक लोग 50 से 60 कॉल करते थे। जिनमें से 5-6 लोग इनके झांसे में आ जाते थे। यह साइबर ठग फर्जी कस्टमर केयर, हेल्पलाइन, बैंक, गैस, बिजली विभाग, इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए फर्जी कॉल और ऑनलाइन नौकरी लॉटरी या गिफ्ट का झांसा देकर भोले-भाले लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। पुलिस को मौके से 16 स्मार्टफोन, चार कीपैड फोन, 12 फर्जी आधार कार्ड, एक एटीएम कार्ड और 4,480 रुपये नकद बरामद हुए हैं।

पकड़े गए शातिर- राहुल कुमार, नीरज कुमार, प्रदीप सिंह, सत्येंद्र, नीरज कुमार, प्रांशु, जगरूप, रोहित कुमार, पुष्पेंद्र सिंह, अजीत कुमार, कुलदीप, नरेश उर्फ विश्वनाथ, ज्ञान प्रकाश यादव, रोमी, नीरज, शैलेंद्र कुमार, नीरज कुमार, मलखान, शिवाकांत और पारस के रूप में हुई।

फरार हुए शातिर- विजय, भोला, मधुर, दीपू उर्फ दरोगा, टाइगर उर्फ जितेंद्र, सोहित, मलखान, खुशवंती, प्रदुमन, शोभन, पंकज, अनिरुद्ध, अशोक, सर्वेश, दीपक और दिलीप है, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

जिलाधिकारी ने ग्राम अंबावा पश्चिम में गेहूं की क्रॉप कटिंग कार्यों का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी, जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज तहसील मंझनपुर अंतर्गत ग्राम अंबावा पश्चिम में गेहूं की क्रॉप कटिंग कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर ही क्रॉप कटिंग कराकर उत्पादकता का आकलन कराया तथा आंकड़ों को सीसीई एग्री ऐप पर अपलोड कराया।

जिलाधिकारी ने उपस्थित किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपना गेहूं सरकारी क्रय केंद्रों पर ही बेचें, ताकि उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान में गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित है।

निरीक्षण के दौरान ग्राम निवासी छत्रपाल के खेत में 43.33 वर्ग मीटर क्षेत्रफल पर क्रॉप कटिंग कराई गयी जिसमें तौल के बाद उत्पादन 15.530 किलोग्राम पाया गया। इस आधार पर अनुमानित उत्पादकता 35.875 क्विंटल प्रति हेक्टेयर दर्ज की गयी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को फसल क्षति का भुगतान करने में क्रॉप कटिंग के आंकड़ों का विशेष महत्व होता है, इसलिए यह प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ की जा रही है। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक सतेंद्र कुमार तिवारी, नायब तहसीलदार ओम प्रकाश तथा अपर सांख्यिकीय अधिकारी रविकांत मिश्रा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

20 हजार की रिश्वत लेते हुए डीपीआरओ को बरेली विजिलेंस टीम ने पकड़ा

बिजनौर। जिला पंचायत राज अधिकारी बिजनौर को विजिलेंस बरेली ने 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए विकास भवन में गिरफ्तार कर लिया है तथा गाड़ी में बैठाकर अपने साथ ले गई। बताया गया है कि जिला पंचायत राज अधिकारी रिजवान अहमद ने पंचायत सचिव शुभम मलिक से काम करने की ऐवज में 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी, बुधवार शाम विकास भवन स्थित कार्यालय में शुभम मलिक से 20 हजार रुपये लेते हुए विजिलेंस की टीम ने रिजवान अहमद को रंगे हाथ धर दबोचा। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए विजिलेंस बरेली की टीम रिजवान अहमद को अपने साथ गाड़ी में बैठाकर शहर थाना कोतवाली में ले गई है। इस घटना से विकास भवन में हड़कंप मचा हुआ हैम्थाना प्रभारी रामप्रताप सिंह ने बताया कि अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

साक्षी गुप्ता, प्रधान अर्थशास्त्री, एचडीएफसी बैंक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अनिश्चित भू-राजनीतिक परिदृश्य की पृष्ठभूमि में, आरबीआई ने आज अपनी नीति में प्रतिक्रियावादी होने के बजाय धैर्य रखने का विवेकपूर्ण विकल्प चुना और अपने रुख और नीतिगत दर को अपरिवर्तित रखा। नीति का रुख संतुलित था और इसमें किसी भी प्रकार की आक्रामक नीति से परहेज किया गया था। जैसा कि हमने उम्मीद की थी, इस समय कोई भी चरम या अप्रत्याशित उपाय घोषित नहीं किए गए।

केंद्रीय बैंक ने मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिमों को स्वीकार करते हुए (ऊर्जा की उच्च लागत के कारण) वित्त वर्ष 2027 के लिए अपने पूर्वानुमान को बढ़ा दिया है, जबकि विकास को लेकर सतर्कता बरती है। हालांकि, इस दृष्टिकोण को इस तथ्य की पुनरावृत्ति से संतुलित किया गया कि युद्ध से पहले अर्थव्यवस्था मजबूत बुनियादी स्थिति में थी, जो वर्तमान पश्चिम एशियाई झटके के प्रति अर्थव्यवस्था की अवशोषक क्षमता को बढ़ाती है। इसके अलावा, आरबीआई ने संकेत दिया कि मुद्रास्फीति के शुरुआती बिंदु भी आरामदायक हैं, जिसका अर्थ है कि वित्त वर्ष 2027 में मुद्रास्फीति आरबीआई के लक्ष्य सीमा के भीतर रह सकती है। रुपये के संबंध में की गई टिप्पणियों से आरबीआई द्वारा किसी भी तरह के अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए मजबूत आत्मविश्वास का भी पता चलता है, साथ ही रुपये के किसी विशेष स्तर को लक्षित न करने के अपने रुख को भी बरकरार रखा गया है। हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 में मुद्रास्फीति 4.9% और विकास दर 6.8-7% रहेगी, यह मानते हुए कि वर्तमान संघर्ष अल्पकालिक है और वर्तमान युद्धविराम कायम है। इस परिदृश्य में वित्त वर्ष 2027 तक नीतिगत दर अपरिवर्तित रह सकती है। आने वाले दिनों में रुपये में कुछ स्थिरता आ सकती है और 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड में भी कुछ नरमी आ सकती है, जिससे 6.8-7% की सीमा बनने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

गौ आश्रय केंद्रों में अव्यवस्थाएं, उपाध्यक्ष ने लगाई फटकार

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ला ने बुधवार को सदस्य दीपक गोयल के साथ मीरजापुर जिले के विकास खंड पहाड़ी क्षेत्र के सिंधोरा व लोकापुर गौ आश्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कई खामियां मिलने पर अधिकारियों व कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। सिंधोरा गौ आश्रय केंद्र में 496 पशु मिले, जहां साफ-सफाई और रखरखाव की स्थिति खराब पाई गई। इस पर उपाध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए राजकीय पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुबाष सिंह से जवाब तलब किया। संतोषजनक उत्तर न मिलने पर उन्हें फटकार लगाई गई। साथ ही जिला पंचायत के इंजीनियर रामजी यादव व केंद्र संचालकों को निर्देश दिया कि नर-मादा पशुओं को अलग रखा जाए और बछड़ों के लिए अलग व्यवस्था की जाए। इसके बाद टीम लोकापुर अस्थाई गौ आश्रय केंद्र पहुंची, जहां 526 पशु मिले। यहां पशुओं को भूसे के बजाय पुआल खिलाए जाने पर नाराजगी जताते हुए बेहतर पोषण व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। साफ-सफाई में भी सुधार के निर्देश दिए गए। उपाध्यक्ष ने चेतावनी दी कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर सीवीओ भूपेंद्र पाठक, बीडीओ बबिता सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस विभाग को मिलेंगे 5 हजार नए सिपाही

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में जल्द ही 5 हजार नए सिपाही शामिल होंगे। इन सभी प्रशिक्षु सिपाहियों का प्रशिक्षण मुरादाबाद के 6 संस्थानों में चल रहा था। ट्रेनिंग के नोडल अधिकारी व पुलिस अधीक्षक यातायात सुभाष चंद्र गंगवार ने बुधवार को बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर पुलिस अकादमी के ग्राउंड में 20 अप्रैल को पासिंग आउट परेड होगी। मुरादाबाद के पुलिस लाइन, पीटीसी, पीटीएस, नौवीं वाहिनी, 23वीं वाहिनी पीएसी और 24वीं वाहिनी पीएसी में करीब पांच हजार प्रशिक्षु सिपाहियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। इन छह संस्थानों में हजारों सिपाहियों ने कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। बाहरी और आंतरिक दोनों तरह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। अब सभी प्रशिक्षु सिपाही फाइल परीक्षाओं में व्यस्त हैं। इन परीक्षाओं के बाद ही उन्हें पुलिस बल में शामिल किया जाएगा। 20 अप्रैल को मुरादाबाद में पासिंग आउट परेड का आयोजन किया जाएगा। इस परेड के बाद यह सभी सिपाही पुलिस विभाग का हिस्सा बन जाएंगे। यह पुलिस बल के लिए एक महत्वपूर्ण दिन होगा। प्रशिक्षु सिपाहियों को पुलिस की विभिन्न बारीकियों का गहन प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण और जनता के साथ व्यवहार जैसे विषय शामिल हैं।

अब रामायणकालीन विरासत का होगा संरक्षण, अयोध्या के 41 पौराणिक तीर्थों के कायाकल्प की तैयारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र का विकास, चार जिलों के तीर्थों का होगा पुनरुद्धार
- श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाएं,कुंडों का सौंदर्यीकरण, शेड, चेंजिंग रूम और लाइटिंग से लैस होंगे सभी स्थल

अयोध्या। रामायण की पावन भूमि अयोध्या अब अपने प्राचीन गौरव को पुनः प्राप्त करने की राह पर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के तहत रामायण कालीन 41 पौराणिक तीर्थों के संरक्षण और कायाकल्प की व्यापक तैयारी चल रही है। इसके अंतर्गत 84 कोसी परिक्रमा क्षेत्र को चार जिलों अयोध्या, गोंडा, बस्ती और अंबेडकरनगर के प्राचीन तीर्थ स्थलों को जोड़ते हुए विकसित किया जाएगा। यह पहल न केवल धार्मिक महत्व को बढ़ाएगी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती भी प्रदान करेगी।

प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि श्रद्धालु रामायण से जुड़े इन स्थलों पर पहुंचकर प्राचीन काल की स्मृतियों को महसूस कर सकें। सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है और चिह्नित स्थलों को पौराणिक स्वरूप में लौटाने के लिए मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर ग्रामीण अंचलों के इन प्राचीन तीर्थों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा, ताकि लाखों श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के इन पावन स्थलों का दर्शन कर सकें।

सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि योजना के तहत सभी तीर्थ स्थलों पर कुंडों का सौंदर्यीकरण, शेड, चेंजिंग रूम, पर्याप्त लाइटिंग और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। तीर्थों तक पहुंच को सुगम बनाने के लिए मार्गों को सुदृढ़ किया जाएगा। 14 प्रमुख कुंडों का विकास मनरेगा के माध्यम से कराया जाएगा, जबकि सड़क निर्माण, शेड निर्माण और विद्युत व्यवस्था के कार्य संबंधित विभागों द्वारा प्रस्तावित हैं। इस परियोजना में अंगी ऋषि आश्रम, वाल्मीकि आश्रम, विल्यहरि, त्रिपुरारी, पुण्यहरि, हनुमान कुंड दराबगंज, विभीषण कुंड, सुग्रीव कुंड, राम कुंड, सीता कुंड, दुग्धेश्वर कुंड, भैरव कुंड, तमसा नदी, प्रमोद वन लखनीपुर, श्रवण क्षेत्र बारुन, पाराशर आश्रम देवराकोट, व्यवन आश्रम कुंदुर्खाकला, गौतम आश्रम रुदौली, मानस तीर्थ, पिशाच मोचन, गया कुंड भरत कुंड, भरत कुंड, नंदीग्राम, कालिका देवी नंदीग्राम, जटा कुंड, शत्रुघ्न कुंड, अजित आश्रम, आस्तीक आश्रम आस्तीकन, रमणक स्थान पंडितपुर, घृताची कुंड और थरेरू जैसे दर्जनों महत्वपूर्ण स्थल शामिल हैं।

यह विकास कार्य मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों पर केंद्रित है। रामायणकालीन विरासत का संरक्षण सिर्फ धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनरुत्थान और आर्थिक विकास का माध्यम भी है। इन तीर्थों के विकास से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। होटल, ढाबे, गाइड, हस्तशिल्प और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों की आय बढ़ेगी। ग्रामीण अंचलों में पर्यटन विकास से युवाओं का पलायन रुकेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

84 कोसी परिक्रमा मार्ग को विकसित करने से श्रद्धालुओं को एक साथ कई प्राचीन स्थलों की यात्रा करने का अवसर मिलेगा। वाल्मीकि आश्रम जहां राम-लक्ष्मण और सीता के वनवास की कथा जुड़ी है, वहीं विभीषण कुंड और सुग्रीव कुंड वानर सेना से संबंधित महत्वपूर्ण घटनाओं की याद दिलाते हैं। इन स्थलों को मूल स्वरूप में विकसित करने के लिए पुरातत्व विशेषज्ञों और स्थानीय संतों की सलाह ली जा रही है।

मास्टर प्लान के तहत प्रत्येक स्थल का अलग-अलग विकास खाका तैयार किया गया है। कुंडों की खुदाई, घाट निर्माण, बाउंड्री वॉल, हरित क्षेत्र विकास और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एस., उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एजेंसिंग यूनिट/जोन	लखनऊ-उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	Pre-LKO-SHG-TOI-159-26-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	30.03.2026
नीलामी प्रारंभ तिथि (प्रथम लॉट)	15.04.2026 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	15.04.2026 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	Pre-LKO-SSB-TOI-160-26-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	07.04.2026
नीलामी प्रारंभ तिथि (प्रथम लॉट)	23.04.2026 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.04.2026 समय 10:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended

वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है : E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1161/2025

आईजीआरएस के फर्जी निस्तारण से शिकायतकर्ता गुमराह, हल्का लेखपाल का कागजी खेल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जन शिकायत निस्तारण प्रणाली (आईजीआरएस) में फर्जी निस्तारण कर शिकायतकर्ताओं को गुमराह करने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि हल्का लेखपाल कागजी खेल के जरिए बिना मौके पर कार्रवाई किए ही शिकायतों का निस्तारण दिखा रहा है, जिससे न केवल शिकायतकर्ता परेशान हैं बल्कि सरकारी व्यवस्था की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार सदर तहसील क्षेत्र के गांव लौकिहा में खलिहान के नाम दर्ज गाटा संख्या 220, रकबा 0.267 हेक्टेयर की भूमि पर साधन सम्पन्न लोगों द्वारा अवैध कब्जा किया गया है। इस भूमि पर मकान, बाउंड्री, टीन शेड, ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य वाहन खड़े कर स्थायी रूप से उपयोग किया जा रहा है। खास बात यह है कि जिन लोगों ने खलिहान की जमीन पर कब्जा किया है, उनके गांव के अंदर पहले से पक्के मकान और पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं। ग्रामीणों के मुताबिक बृजकिशोर पुत्र मौनीराम, चेतराम, केशवराम और रामजश पुत्र रामेश्वर समेत कई लोगों के गांव के भीतर पहले से मकान बने हुए हैं, इसके बावजूद उन्होंने खलिहान की भूमि पर कब्जा जमा लिया है। मौके पर ट्रैक्टर-ट्रॉली, कार और अन्य निर्माण स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं, जो अवैध कब्जे की स्थिति को उजागर करते हैं। आरोप है कि खलिहान गाटा संख्या 220 के पास स्थित तालाब की भूमि पर भी कब्जा करा दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सब लेखपाल की मिलीभगत से हुआ है, जिसने कथित तौर पर मोटी रकम लेकर कब्जाधारियों को संरक्षण दिया। इस मामले में हल्का लेखपाल अजय सिंह पर गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने शिकायतों के बावजूद न केवल कार्रवाई नहीं की, बल्कि आईजीआरएस पोर्टल पर फर्जी आख्या लगाकर शिकायतों का निस्तारण दर्शा दिया। शिकायतकर्ताओं का यह भी कहना है कि निस्तारण के नाम पर धन उगाही की जा रही है। बिना शिकायतकर्ता से संपर्क किए, बिना मौके का निरीक्षण किए ही रिपोर्ट लगा दी जाती है। जमीन पर कोई कार्यवाही नहीं होती, लेकिन फाइलों में सब कुछ ल्लचंगाङ्क दिखा दिया जाता है। दर्जनों शिकायतों के बावजूद तहसील प्रशासन अब तक खलिहान की भूमि को कब्जा मुक्त नहीं करा सका है। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका संदेह के घेरे में है। तहसीलदार सदर की कार्यशैली को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं कि आखिर इतनी शिकायतों के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। शिकायतकर्ता ने आईजीआरएस पर लगाए गए निस्तारण से असंतुष्टि जताते हुए उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अवैध कब्जों को तत्काल हटाने की मांग की है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में पारदर्शी कार्रवाई करेंगे या फिर यह मामला भी कागजों तक ही सीमित रह जाएगा, जिससे अवैध कब्जाधारियों का मनोबल और बढ़ता रहेगा।

लखीमपुर खीरी की तीन तहसीलों ने रचा कीर्तिमान, IGRS में प्रदेश में अव्वल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जन शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में लखीमपुर खीरी ने एक बार फिर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। मार्च माह की ऋक्टट्ट रैंकिंग में जिले की मितौली, पलिया और निघासन तहसीलों ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जिससे जनपद का नाम पूरे प्रदेश में प्रमुखता से उभरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में संचालित शिकायत निस्तारण प्रणाली में जनपद का प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा है। बीते सात महीनों से लखीमपुर खीरी, लखनऊ मंडल में प्रथम स्थान पर बना हुआ है, वहीं प्रदेश स्तर पर भी टॉप-10 में अपनी स्थिति बनाए हुए है। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के मार्गदर्शन में शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। समयबद्ध समाधान, मौके पर जांच और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसका सकारात्मक असर रैंकिंग में दिखाई दे रहा है। तहसील मितौली में एसडीएम मधुसूदन गुप्ता, पलिया में एसडीएम डॉ. अवनीश कुमार और निघासन में एसडीएम राजीव कुमार निगम के नेतृत्व में टीमों ने बेहतर समन्वय के साथ कार्य किया। पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया गया। गौरतलब है कि मितौली तहसील ने लगातार दूसरी बार प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने इस उपलब्धि को टीमवर्क और प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप आमजन की शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी तहसीलों को इसी तरह कार्य करते हुए जनपद की रैंकिंग को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए हैं मार्च माह की ऋक्टट्ट रैंकिंग में लखीमपुर खीरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में 10वां स्थान हासिल किया और मंडल के सभी जनपदों में अव्वल रहा। अन्य जनपदों में हरदोई 13वें, उन्नाव 32वें, सीतापुर 35वें, रायबरेली 61वें और लखनऊ 75वें स्थान पर रहे।

मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत थाना सिंगाही पुलिस का जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सिंगाही खीरी। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत आज दिनांक 08 अप्रैल 2026 को पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में थाना सिंगाही पुलिस ने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान सैकड़ों महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण, कानूनी अधिकारों एवं अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों- 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (महिला शक्ति लाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी हेल्पलाइन) एवं 1076 (पुलिस कंट्रोल रूम)–की जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।

इसके साथ ही ठ्यएग्घ इध्ध के माध्यम से उपलब्ध पुलिस सेवाओं की जानकारी दी गई तथा सोशल मीडिया पर बढ़ते साइबर अपराधों जैसे फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग एवं फर्जी प्रोफाइल से होने वाली धोखाधड़ी से बचाव के व्यावहारिक उपाय भी बताए गए।

महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के संबंध में घ्एट्टग एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम एवं सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के बारे में भी जागरूक किया गया। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत यह अभियान महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना तथा अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को सशक्त बनाना है। जनपद खीरी पुलिस ने सभी महिलाओं एवं बालिकाओं से अपील की है कि किसी भी प्रकार की असुरक्षा या अपराध की स्थिति में तत्काल निकटतम थाने या उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें, ताकि समय रहते आवश्यक सहायता प्रदान की जा सके।

मदरसा कादरिया रिजविया का 45वां जश्ने दस्तारबंदी 13 अप्रैल को

पलियाकला खीरी। पलिया कला क्षेत्र स्थित मदरसा कादरिया रिजविया में 45वां सालाना जश्ने दस्तारबंदी आगामी 13 अप्रैल 2026 (23 शव्वाल 1447 हिजरी), बरोज़ पीर (सोमवार) रात्रि 8 बजे आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर जश्ने ईद-मिलादुन्नबी, दस्तारबंदी (हिफ्ज) एवं किराअत का विशेष कार्यक्रम रखा गया है, जिसमें दूर-दराज से उलेमा-ए-कराम और अकीदतमंदों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में इस्लाम धर्म के चौथे खलीफा हज़रत अली की 28वीं पुश्त से ताल्लुक रखने वाले हज़ूर सैय्यद गुलाम अब्दुल कादिर (सज्जादानशीन, खानकाहे शौयबुल औलिया, बरावं शरीफ, सिद्धार्थनगर) की विशेष आमद होगी। इसके अलावा अल्लामा नूर मियां (राजस्थान), मौलाना सैय्यद अफसर मियां (सिद्धार्थनगर), मुफ्ती कमालुद्दीन (लखनऊ) और महबूब ज़फ़र (दिल्ली) सहित कई प्रमुख उलेमा अपने तकरीरों और नात के माध्यम से दीन-ए-इस्लाम की अहमियत और उसकी तालीमात पर रोशनी डालेंगे।

सनशाइन हॉस्पिटल गोला में मिलेगी आयुष्मान की सुविधा, जरूरतमंदों को राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। क्षेत्रवासियों के लिए राहत भरी खबर है कि सनशाइन हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर को सरकार की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना के तहत मान्यता मिल गई है। मंगलवार देर शाम फीता काटकर इस सुविधा का भव्य शुभारंभ किया गया। अब आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज के लिए लखीमपुर या लखनऊ तक नहीं जाना पड़ेगा। इस योजना के तहत आयुष्मान कार्ड धारकों एवं 70 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। इससे खासतौर पर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। हॉस्पिटल के डॉ. कौशल वर्मा ने बताया कि यहां आर्थोपेडिक सर्जरी, सामान्य शल्य चिकित्सा, यूरोलॉजी, जनरल फिजिशियन, इमरजेंसी ट्रॉमा, नेत्र रोग और मैक्सिलोफ़ेशियल सर्जरी से संबंधित बीमारियों का उपचार आयुष्मान योजना के अंतर्गत किया जाएगा। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह सुविधा क्षेत्रवासियों के लिए वरदान साबित होगी। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल आधुनिक सुविधाओं के साथ लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। कार्यक्रम का संचालन पारस वर्मा ने किया। इस दौरान अतिथियों का माल्यार्पण एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में विजय महेश्वरी, अभिजय पटेल, राजीव पटेल (अध्यक्ष, पटेल संस्थान), मनोज वर्मा, कपिल वर्मा, आशू मिश्रा, राकेश अर्कवंशी एडवोकेट, बलवीर सिंह, आनंद वर्मा सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर नारायण लाल वर्मा, सविता बाजपेई, कवि मुनेंद्र प्रताप, एसएन सक्सेना, विजय पटेल, संजीव वर्मा, नरेश सिंह तोमर एडवोकेट, राजेश्वर फौजी, केजी त्रिवेदी, ज्ञानचंद वर्मा, सुभाष वर्मा, अनुज प्रताप सिंह, सुशील पांडे, केके वर्मा, अरुण शेखर, मनोज अवस्थी, विनोद वर्मा, अशोक कन्नौजिया, आनंद अर्कवंशी, लालाराम, अविनाश गुप्ता, अभिषेक वर्मा समेत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सोनभद्र के समाजवादी पार्टी के सांसद को मंडलीय अपीलीय फोरम से मिली बड़ी राहत

वाराणसी। लोकसभा चुनाव में अनुचित लाभ लेने के लिए अपनी जाति को अनुसूचित जाति का बताकर गलत हलफनामा दाखिल करने के मामले में बुधवार को राबर्ट्सगंज (सोनभद्र) सुरक्षित सीट से समाजवादी पार्टी के सांसद छोटेलाल खरवार को बड़ी राहत मिल गई। मंडलीय अपीलीय फोरम के अध्यक्ष मंडलायुक्त एस. राजलिंगम एवं सदस्य अपर जिलाधिकारी चंदौली राजेश कुमार, उप निदेशक समाज कल्याण विभाग वाराणसी मंडल विजय प्रताप यादव, उपनिदेशक पिछड़ा कल्याण विभाग वाराणसी मंडल शरद प्रकाश श्रीवास्तव, उपनिदेशक मत्स्य विभाग वाराणसी मंडल सुरेश कुमार ने अनपरा, सोनभद्र निवासी अपीलार्थी इंद्रजीत की अपील को बलहीन और आधारहीन पाते हुए खारिज कर दिया। अदालत में सपा सांसद की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव, नरेश यादव, रोहित यादव व संदीप यादव ने पक्ष रखा। प्रकरण के अनुसार इंद्रजीत ने मंडलीय अपीलीय फोरम में अपील दाखिल की थी।

हाईटेंशन लाइन की चिंगारी से 81 बीघा गेहूं व 2 बीघा गन्ना राख

किसानों की सालभर की मेहनत स्वाहा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। गोला तहसील क्षेत्र के गांव रसूलपुर में बुधवार दोपहर हाईटेंशन बिजली लाइन से निकली चिंगारी ने किसानों की मेहनत पर पानी फ़ेर दिया। खेतों में खड़ी पकी गेहूं की फसल में अचानक आग लगने से कुछ ही देर में भीषण लपटें उठने लगीं, जिससे पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोपहर करीब 12 बजे हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी सूखे खेतों में गिरी, जिससे आग तेजी से फैल गई। तेज हवा के कारण आग ने देखते ही देखते कई खेतों को अपनी चपेट में ले लिया। खेतों में काम कर रहे किसानों ने शोर मचाकर ग्रामीणों को बुलाया, जिसके बाद सैकड़ों लोग आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंच गए।

ग्रामीणों ने ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया और कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि तब तक 81 बीघा गेहूं की फसल पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी। इसके अलावा बीज के लिए खड़ा दो बीघा गन्ना भी आग की चपेट में आकर नष्ट हो गया। आग से ढाका निवासी मुस्ताक खां की 6 बीघा, रसूलपुर निवासी छब्बन खां की 9 बीघा, नयाब खां की 15 बीघा, मुफीदुल खां की 7 बीघा, कलीम खां की 7 बीघा, अब्दुल लतीफ की 7 बीघा, जमाल खां की 6 बीघा, नसीब खां की 19 बीघा तथा खान बहादुर की 6 बीघा गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो गई। वहीं अब्दुल हसन खां के 2 बीघा खेत में बीज के लिए खड़ा गन्ना भी पूरी तरह जल गया। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के काफी देर बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची, तब तक ग्रामीण खुद ही आग पर काबू पा चुके थे। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। फसल जलने से पीड़ित किसानों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कराकर शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग की है। साथ ही बिजली विभाग की लापरवाही को हादसे का कारण बताते हुए विभाग से भी क्षतिपूर्ति दिलाने की मांग की है।

16 वीं मंजिल से गिरकर युवती की मौत का मामलाः परिजनों ने अंतिम संस्कार से किया इनकार

गाजियाबाद। इंदिरापुरम थानाक्षेत्र के नीतिखंड स्थित जयपुरिया सनराइज ग्रीन्स सोसायटी में 16वीं मंजिल से मंगलवार को गिरकर जान गंवाने वाली युवती के परिजनों ने बुधवार को अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। युवती के कनावनी स्थित घर पर पुलिस फोर्स तैनात है। वहीं, आक्रोशित लोगों ने हंगामा किया। परिजनों ने हाइवे जाम कर दिया है। सीआईएसएफ मार्ग पूरी तरह जाम हो गया। मृतका के पिता सड़क पर ही बेहोश होकर गिर गए। युवती की बड़ी बहन ने बताया कि वह पुलिस से हादसे के समय की सीसीटीवी फुटेज देखने की मांग कर रहे हैं। वहीं आरोप है कि पुलिस उन पर शव का अंतिम संस्कार करने का दवाब बना रही है। मालूम हो कि गाजियाबाद के इंदिरापुरम थानाक्षेत्र निवासी 18 वर्षीय युवती की मंगलवार तड़के करीब छह बजे सोसायटी की 16वीं मंजिल से संदिग्ध हालत में गिरकर मौत हो गई। हादसा अहिंसाखंड एक स्थित जयपुरिया सनराइज ग्रींस सोसायटी के सी ब्लॉक टावर में हुआ।

पीसीएस परीक्षा में सफलता पर धीरज वर्मा का हुआ भव्य सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। प्रदेश लोक सेवा आयोग (पीसीएस) परीक्षा 2024 में सफलता हासिल करने पर ग्राम अलियापुर निवासी धीरज कुमार वर्मा को न्यू पैरामाउंट कंपटीशन क्लासेस, गोला गोकर्णनाथ में भव्य रूप से सम्मानित किया गया। धीरज वर्मा, जो अनिल कुमार वर्मा के सुपुत्र हैं, का चयन कमर्शियल टैक्स अधिकारी के पद पर हुआ है। इस अवसर पर धीरज कुमार वर्मा ने संस्थान पहुंचकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया और अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि सफलता के लिए मेहनत, ईमानदारी और निरंतर अध्ययन बेहद आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को किताबों को अपना सच्चा मित्र मानने तथा नियमित रूप से स्पीड टेस्ट के माध्यम से आत्ममूल्यांकन करते रहने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिदिन अनुशासित तरीके से पढ़ाई करना ही सफलता की कुंजी है। धीरज वर्मा ने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि वे समय-समय पर संस्थान आते रहेंगे और उनका मार्गदर्शन करते रहेंगे। साथ ही, उन्होंने छात्रों के लिए सूक्ष्म जलपान की भी व्यवस्था कराई और पढ़ाई से संबंधित किसी भी आवश्यकता में सहयोग का भरोसा दिलाया कार्यक्रम के अंत में न्यू पैरामाउंट कंपटीशन क्लासेस, गोला की समस्त टीम ने धीरज वर्मा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वाराणसी में बारिश के मौसम के पहले नालों से कचरा हटेगा, क्षतिग्रस्त सड़कों का पैच वर्क भी

- महापौर अशोक तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल कार्यों की करेंगे खुद मानिटरिंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में मानसून के मौसम के पूर्व नगर निगम ने नालों की सफाई, उसमें से कचरा हटाने और इससे क्षतिग्रस्त सड़कों का पैच वर्क कार्य को प्राथमिकता दिया है। इन कार्यो की मानिटरिंग महापौर अशोक कुमार तिवारी व नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल स्वयं कर रहे हैं।

बुधवार को महापौर व नगर आयुक्त ने संयुक्त रूप से अस्सी और सीर गोवर्धन क्षेत्र के विभिन्न वार्डों का स्थलीय निरीक्षण किया और सफाई व्यवस्था की हकीकत जांची। नगर आयुक्त ने इस दौरान अस्सी व सीर क्षेत्र के प्रमुख नालों से कचरा हटाने के निर्देश भी दिए।

मौके पर ही महापौर व नगर आयुक्त ने क्षतिग्रस्त सड़कों के पैच वर्क और मरम्मत कार्य की भी समीक्षा की। महापौर ने नगवां और आसपास के क्षेत्रों में नालों की सफाई का बारीकी से अवलोकन किया।

उन्होंने अधिकारियों से दो टूक कहा कि मानसून आने से पहले सभी छोटे-बड़े नालों की सिल्ट पूरी तरह साफ कर ली जाए, ताकि बारिश के दौरान सड़कों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। इस दौरान उन्होंने जनता से क्षेत्र की साफ-सफाई, सड़कों की स्थिति और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया।

नागरिकों ने जल निकासी को लेकर कुछ सुझाव दिए, जिस पर महापौर ने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। वहीं, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने विभागीय अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि निरीक्षण में पाई गई कमियों को अविलंब दूर कराने का निर्देश दिया। साथ ही लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

शराब के नशे में गड्ढे में तैरने गए युवक की पानी में डूबकर मौत

नोएडा। थाना सेक्टर 126 क्षेत्र के सेक्टर 94 के पास एक सोसाइटी के निर्माण के लिए खोदे गए बेसमेंट के गड्ढे में भरे पानी में डूबने से 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई है। उसने अपने दोस्तों के साथ बैठकर शराब पी। उसके बाद वह गड्ढे में नहाने चला गया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक सोमेश कुमार ने बताया कि हर्षित उम्र 23 वर्ष अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ बुधवार को सेक्टर 94 गया था। उसने अपने दोस्तों के साथ बैठकर शराब पी, तथा शराब का नशा होने के बाद वह पास में ही एक सोसाइटी बनाने के लिए खोदे गए बेसमेंट के गढ्ढे में भरे पानी में तैरने चला गया। उन्होंने बताया कि गहरे गड्ढे में तैरते समय वह पानी में डूब गया तथा उसकी मौत हो गई। उसके दोस्तों ने पुलिस को सूचना दी।

कुकरा में बेमौसम ओलावृष्टि से फसलें तबाह, किसानों ने मुआवजे की उठाई मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। कुकरा क्षेत्र में बेमौसम आंधी, तूफान, बारिश और भारी ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। अचानक बदले मौसम ने गेहूं समेत अन्य खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है, जिससे किसानों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुकरा न्याय पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत हजरतपुर, सिकंदरपुर, जटपुरा, हरदुआ, खजुआ, ग्रांट नंबर तीन, पहाड़नगर, पहाड़पुर और खंजनपुर में तेज आंधी और ओलावृष्टि से लगभग 70 प्रतिशत तक फसलें नष्ट हो गई हैं। खेतों में तैयार खड़ी गेहूं की फसल पूरी तरह बिछ गई, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत हजरतपुर प्रधान संघ के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह, कुकरा प्रधान रहनुमा चौधरी, जटपुरा प्रधान कुलदीप कुमार, खंजनपुर प्रधान जनक यादव, पहाड़नगर प्रधान विनोद कुमार भारती, पहाड़पुर प्रधान सेवाराम, खजुआ प्रधान मनोज यादव, सिकंदरपुर प्रधान धनीराम, ग्रांट नंबर तीन के प्रधान राजवीर सिंह (बिट्टू) तथा हरदुआ प्रधान रामकिशुन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से तत्काल राहत की मांग की है। प्रधानों का कहना है कि फसलें बर्बाद होने से किसानों पर बैंक ऋण, खाद-बीज दुकानों का उधार, बच्चों की पढ़ाई, बेटियों की शादी और परिवार के भरण-पोषण का संकट गहरा गया है। ऐसे में शासन द्वारा शीघ्र मुआवजा न मिलने पर किसानों की स्थिति और दयनीय हो सकती है जनप्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल से मामले का संज्ञान लेकर एसडीएम गोला को निर्देशित करने की मांग की है, ताकि तहसील प्रशासन की टीम गठित कर मौके पर सर्वे कराया जाए और शासन को रिपोर्ट भेजकर प्रभावित किसानों को राहत दिलाई जा सके किसानों ने शासन से आहत्युक सहायता राशि ''मुआवजा,, शीघ्र दिलाने की मांग करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा से हुई इस क्षति की भरपाई के बिना उनका जीवनयापन कठिन हो जाएगा।

एलएसजी के खिलाफ व्यापक बदलाव कर सकता है केकेआर

एजेंसी

कोलकाता। लय हासिल करने के लिए जूझ रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले मैच में सत्र की पहली जीत हासिल करने के लिए अपनी अंतिम एकादश में व्यापक बदलाव कर सकती है। केकेआर के लिए वापसी करना आसान नहीं होगा क्योंकि उसका सामना मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाज से होगा जिन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में चार ओवर में नौ रन देकर दो विकेट लिए थे। उन्होंने लगातार ओवरों में अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड को आउट किया था। घरेलू क्रिकेट में बंगाल की तरफ से खेलने वाले शमी यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। वह सीधी सीम गेंदबाजी और गेंद की स्विंग कराने में माहिर हैं तथा वह ईडन गार्डन्स की परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। केकेआर ने अभी तक तीन मैचों में जीत हासिल नहीं की है। यहां की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती है। बारिश के कारण रद्द कर दिए गए पिछले मैच में पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने दिखाया कि अधिक घास वाली पिच पर सीधी सीम गेंदबाजी कितनी प्रभावी हो सकती है। उन्होंने तीन गेंद के अंदर फिन एलन और कैमरन ग्रीन को आउट करके केकेआर के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था। केकेआर भाग्यशाली रहा कि यह मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। इससे उसने अंक तालिका में अपना खाता भी खोला। पश्चिमी बंगाल के गंगा वाले क्षेत्र से लेकर मन्नार की खाड़ी तक निम्न दबाव बनने के कारण यहां पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बुधवार देर रात और गुरुवार की सुबह बारिश होने की संभावना है। हालांकि मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होने के कारण इस पर ज्यादा असर पड़ने की संभावना नहीं है। केकेआर के लिए शमी पावरप्ले में बड़ा खतरा साबित होंगे। उनके अलावा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश राठी का सामना करना भी आसान नहीं होगा। एलएसजी की ताकत उनकी पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी करना है। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद दोनों के खिलाफ पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन किया था। केकेआर ने अभी तक अजिंक्य रहाणे और फिन एलन की सलामी जोड़ी को आजमाया है जो अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए। वह इस मैच में एलन और टिम सीफर्ट की न्यूजीलैंड की जोड़ी को आजमा सकते हैं। न्यूजीलैंड के एक अन्य खिलाड़ी रचिन रविंद्र भी मध्य क्रम में जगह बनाने के दावेदार हैं। इससे केकेआर को स्पिन का एक अतिरिक्त विकल्प भी मिल जाएगा। केकेआर की सबसे बड़ी चिंता सुनील नारायण (आठ ओवर में 69 रन देकर एक विकेट) और भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का खराब प्रदर्शन रहा है, जिन्होंने अभी तक एक भी विकेट नहीं लिया है। यह दोनों खिलाड़ी पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में अस्वस्थ होने के कारण टीम में शामिल नहीं थे। इन दोनों की अंतिम एकादश में वापसी हो सकती है जबकि मिस्ट्री स्पिनर दक्ष कामरा को भी मौका मिल सकता है। केकेआर के लिए एक और चिंता का विषय कैमरन ग्रीन का नहीं चल पाना है जिन्हें उसने 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। वह केवल बल्लेबाज के रूप में खेल रहे हैं लेकिन अभी तक तीन मैच में 18, दो और चार रन ही बना पाए हैं। जहां तक एलएसजी का सवाल है तो उसकी टीम पिछले मैच में जीत दर्ज करने से आत्मविश्वास से भरी होगी। उसके कप्तान ऋषभ पंत ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पिछले मैच में नाबाद 68 रन बनाए थे और वह अपनी इस फॉर्म को जारी रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी में उद्देश्य और इरादों की कमी नजर आई: कुंबले

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के हाथों इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में 27 रन से मिली हार के दौरान मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी में उद्देश्य और इरादों की कमी नजर आई। यशस्वी जायसवाल के नाबाद 77 रन और सूर्यवंशी की 14 गेंदों में खेली गई 39 रन की तूफानी पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस पर आसानी से जीत हासिल कर ली। बारिश से प्रभावित इस मैच में राजस्थान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 11 ओवर में तीन विकेट पर 150 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई इंडियंस नौ विकेट पर 123 रन ही बना पाया। कुंबले ने जिओ हॉटस्टार से कहा, ''ऐसा लगा जैसे मुंबई इंडियंस की गेंदबाज़ी में कुछ उद्देश्य और इरादे की कमी थी। इसका असर निश्चित रूप से उनकी बल्लेबाज़ी पर भी पड़ा। 11 ओवरों में 151 रन बनाना आसान नहीं था। सूर्यवंशी ने जिस तरह से जसप्रीत बुमराह का सामना किया उससे भी कुंबले हैरान थे। सूर्यवंशी ने इस तेज गेंदबाज की पहली गेंद पर ही छक्का जड़ दिया था। उन्होंने कहा, ''सूर्यवंशी ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक के खिलाफ इसे आसान बना दिया। पहली ही गेंद पर उन्होंने बुमराह को छक्का मारा और फिर उन पर हावी हो गए। कुंबले ने कहा, ''हमने अक्सर बुमराह को बल्लेबाजों पर हावी होते हुए देखा है लेकिन यहां सूर्यवंशी ने बुमराह को धीमी गेंद फेंकने के लिए उकसाया। सूर्यवंशी की बल्लेबाजी शानदार थी। जिस तरह से उन्होंने गेंद को हिट किया और स्ट्राइक रेट में जो निरंतरता दिखाई, वह सराहनीय है। वह हर मैच में लगभग 300 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। वह लगातार 30 से अधिक रन बना रहे हैं, जो शानदार है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर फाफ डुप्लेसी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को खेल के हर विभाग में मात दी। उन्होंने कहा, ''राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। मुझे लगता है कि उन्होंने तीनों विभाग में मुंबई इंडियंस से बेहतर प्रदर्शन किया। जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की और फिर सही लेंथ पर गेंद डाली, वह काबिले तारीफ है।

दिव्या संयुक्त बढ़त पर, प्रज्ञाननंदा की खिताब की उम्मीदें लगभग खत्म

एजेंसी

पाफोस (साइप्रस)। भारतीय शतरंज की युवा सनसनी दिव्या देशमुख ने शानदार वापसी करते हुए ड्रॉ की तरफ बढ़ रही बाजी को जीत में बदलकर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में महिला वर्ग में संयुक्त बढ़त हासिल कर ली, लेकिन ओपन वर्ग में खेल रहे आर प्रज्ञाननंदा आठवें दौर में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी से हार के बाद खिताब हासिल करने की दौड़ से लगभग बाहर हो गए हैं। महिला वर्ग में विश्व कप विजेता देशमुख ने काले मोहरों से खेलते हुए यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराया और 4.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बना ली। अब कुल चार खिलाड़ी संयुक्त रूप से आगे चल रही हैं। एक समय लग रहा था कि बाजी ड्रॉ पर समाप्त हो जाएगी लेकिन दिव्या देशमुख ने उम्मीद नहीं छोड़ी और अंतिम समय में अपनी प्रतिद्वंदी की एक अनचाही गलती का फायदा उठाते हुए महत्वपूर्ण जीत हासिल की। महिला वर्ग में भाग ले रही दूसरी भारतीय खिलाड़ी आर वैशाली ने कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा के साथ ड्रॉ खेला। वह आठ बाजियों के बाद 4.5 अंकों के साथ देशमुख, यूक्रेन की कटेरीना लागनो, चीन की झू जिनर और मुजिचुक के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। ओपन वर्ग में शीर्ष पर चल रहे उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने रूस के सबसे निचले पायदान पर मौजूद एंड्री एसेपेंको के साथ ड्रॉ खेला, जबकि गिरी ने प्रज्ञाननंदा को हराया। भारतीय खिलाड़ी की टूर्नामेंट में यह दूसरी हार है। सिंदारोव ने आठ में से 6.5 अंक हासिल कर लिए हैं और खिताब की तरफ बढ़ रहे हैं। अब उनकी बढ़त दो अंकों की हो गई है। 700,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में छह दौर का खेल बचा हुआ है। इस टूर्नामेंट का विजेता खिलाड़ी मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश का सामना करेगा।

बुमराह के पहले ओवर में सूर्यवंशी की धमाकेदार शुरुआत से दबाव कम हुआ: जायसवाल

एजेंसी

गुवाहाटी। वैभव सूर्यवंशी ने पहले ओवर में जिस सहजता से जसप्रीत बुमराह का सामना किया उससे राजस्थान रॉयल्स के उनके साथी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी हैरान थे और उन्होंने कहा कि इससे उन पर दबाव कम हो गया था।

राजस्थान रॉयल्स ने बारिश से प्रभावित इस मैच में मुंबई इंडियंस को 27 रन से हराया जिसमें जायसवाल और 15 वर्षीय सूर्यवंशी ने शानदार शुरुआत करके जीत की नींव रखी थी। मैच से पहले चर्चा का विषय दिग्गज तेज गेंदबाज बुमराह और युवा सनसनी सूर्यवंशी के बीच मुकाबला था क्योंकि वह पहली बार आमने-सामने थे। सूर्यवंशी ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए बुमराह की 131 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गई गेंद पर मिड-ऑन के ऊपर से छक्का लगा दिया। जायसवाल ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''उसने पहली गेंद पर ही छक्का जड़ा और मैंने उससे कहा कि वह अपने शॉट्स खेलता रहे। जायसवाल ने 32 गेंद पर नाबाद 77 रन बनाए जिससे राजस्थान ने बारिश के कारण 11 ओवर के मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 150 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई इंडियंस की टीम नौ विकेट पर 123 रन ही बना पाई। मुंबई को इस तरह से लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा, जबकि राजस्थान रॉयल्स तीन मैचों में तीन जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। बिहार के बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी को 2025 आईपीएल की मेगा नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने पिछले सत्र में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंदों में शतक बनाकर टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में और आईपीएल इतिहास में दूसरे सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। आईपीएल 2026 शुरू होने से एक दिन पहले 15 साल के हुए सूर्यवंशी ने अपने पहले ओवर में ही बुमराह पर दो छक्के लगाए और आउट होने से पहले 14 गेंदों में 39 रन बनाए। इससे दूसरे छोर पर जायसवाल के लिए काम आसान हो गया। उन्होंने दीपक चाहर और ट्रेंट बोल्ट जैसे गेंदबाजों को निशाना बनाया, जिन्होंने अपने-अपने ओवरों में 22-22 रन लुटाए। जायसवाल ने कहा, ''बुमराह भाई दिग्गज गेंदबाजों में से एक हैं। अगर वह उनके खिलाफ रन बना रहा है तो यह कमाल की बात है। इससे हमारा यह विश्वास बढ़ा कि हम अन्य गेंदबाजों का भी अच्छी तरह से सामना कर सकते हैं।''

संक्षिप्त समाचार

एचडीएफसी बैंक में कामकाज के तौर-तरीकों को लेकर चिंता वाली कोई बात नहीं पायी गयी: मल्होत्रा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि एचडीएफसी बैंक के पर्यवेक्षी निरीक्षण के दौरान उसके संचालन या तौर-तरीकों से संबंधित कोई समस्या नहीं पायी गयी। मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद संवाददाता सम्मेलन में एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफ़े और उसके बाद बैंक के शेयर की कीमत में आई गिरावट से संबंधित एक सवाल के जवाब में कहा कि आरबीआई ने बैंक की बैठकों का विवरण भी देखा है और उसमें कोई भी महत्वपूर्ण चिंताजनक बात नहीं मिली। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने 19 मार्च को जारी बयान में भी कहा था कि बैंक के कामकाज के तौर-तरीकों या संचालन के संबंध में कोई भी महत्वपूर्ण चिंताजनक बात नहीं मिली। आरबीआई ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''एचडीएफसी बैंक घरेलू स्तर पर प्रणाली के लिहाज से महत्वपूर्ण बैंक है। इसकी वित्तीय स्थिति मजबूत है, बोर्ड पेशेवर रूप से संचालित है और प्रबंधन टीम सक्षम है। हमारे समय-समय मूल्यांकन के आधार पर, इसके कामकाज के तौर-तरीकों या संचालन के संबंध में कोई भी महत्वपूर्ण चिंताजनक बात नहीं मिली है। चक्रवर्ती ने 18 मार्च को इस्तीफा दे दिया था। मल्होत्रा ने यह भी कहा कि भारत की बैंकिंग प्रणाली 'बेहद सुरक्षित और मजबूत' है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच बैंकों के लाभ और 'सेहत' को लेकर कोई प्रणालीगत जोखिम नहीं है। एक सवाल के जवाब में, गवर्नर ने संकेत दिया कि कम ब्याज दर व्यवस्था लंबे समय तक जारी रह सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि रुपये की अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए आरबीआई द्वारा हाल ही में उठाए गए कदम हमेशा के लिए नहीं रहेंगे।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम के बाद बॉन्ड पर प्रतिफल 0.12 प्रतिशत घटकर सात प्रतिशत से नीचे आया

मुंबई। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के सशर्त युद्धविराम तथा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने के फैसले से बुधवार को भारतीय बॉन्ड पर प्रतिफल करीब 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ सात प्रतिशत से नीचे आ गया। भारतीय समाशोधन निगम के अनुसार, सुबह के कारोबार में 10-वर्षीय मानक बॉन्ड (6.48 प्रतिशत जीएस 2035) का प्रतिफल 7.04 प्रतिशत से घटकर 6.92 प्रतिशत पर आ गया। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद बॉन्ड बाजार की धारणा बेहतर हुई है। युद्धविराम से अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आई जिससे भारत के लिए आयातित मुद्रास्फीति का जोखिम कम हुआ। फिलहाल ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 94.94 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी है, जो पिछले कुछ दिनों में 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई थी। पश्चिम एशिया संघर्ष में दो सप्ताह का यह युद्धविराम शर्तों के अधीन है। इस अवधि में होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के आवागमन की अनुमति दी जाएगी। इस बीच, अप्रैल की मौद्रिक नीति समीक्षा में आरबीआई ने रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखी जिससे बॉन्ड प्रतिफल को और समर्थन मिला।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम, होर्मुज जलडमरूमध्य खुलने से निर्यातकों को राहत: फियो

नयी दिल्ली। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने बुधवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के साथ-साथ अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा से निर्यातकों को तत्काल राहत मिलेगी और पोत परिवहन मार्ग के व्यवधान कम होंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य हमलों को दो सप्ताह के लिए रोकने की घोषणा की। ईरान ने युद्धविराम के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से सुरक्षित नौवहन की अनुमति देने पर सहमति जताई, जिससे तेल, शेयर बाजार और मुद्रा बाजार में तेजी से बदलाव आया। फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा, युद्धविराम और होर्मुज जलडमरूमध्य का फिर से खुलना निर्यातकों को शिपिंग बाधाओं, उच्च ढुलाई दरों और बीमा लागत में राहत देता है। उन्होंने कहा कि जबकि यह अल्पकालिक रूप से लॉजिस्टिक्स को सामान्य करने में मदद करेगा, निर्यातक अभी भी युद्धविराम की अस्थायी प्रकृति को देखते हुए सतर्क रहेंगे। रल्हन ने कहा, स्थिरता बनाए रखना जरूरी है ताकि विश्वास बहाल हो और व्यापार सुचारू रूप से चल सके। युद्धविराम की घोषणा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पश्चिम एशियाई क्षेत्र भारतीय निर्यातकों के लिए एक प्रमुख निर्यात गंतव्य है। इस क्षेत्र में संघर्ष ने खाड़ी देशों को माल भेजने में कठिनाई उत्पन्न की है। खाड़ी देशों के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 178 अरब डॉलर था (56.87 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात और 121.67 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात)।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट ब्रेंट क्रूड का भाव 91.88 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के ईरान के साथ अस्थायी सीजफायर की घोषणा के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड करीब 91.88 डॉलर प्रति बैरल तक आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 91.05 डॉलर पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 16 फीसदी यानी 17.39 डॉलर गिरकर 91.88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जबकि वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड करीब 20 फीसदी यानी 21.90 डॉलर टूटकर 91.05 डॉलर पर पहुंच गया है। हालांकि, ये कीमतें अभी भी पश्चिम एशिया संकट शुरू होने से पहले के स्तर से ज्यादा हैं। विश्लेषकों का कहना है कि कच्चे तेल में यह गिरावट कितनी टिकेगी, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सीजफायर कितनी मजबूती से लागू होता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होती है या नहीं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 11 साल पूरे, 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक ऋण वितरित

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) ने बुधवार को लघु और सूक्ष्म उद्यमियों को सशक्त बनाने के 11 वर्ष पूरे कर लिए। पीएमएमवाई ने 57.79 करोड़ ऋणों के माध्यम से 40.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया, जिससे लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों के लिए ऋण इकोसिस्टम मजबूत हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 8 अप्रैल, 2015 को इसकी शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) का उद्देश्य वित्तीय पहुंच में वर्तमान अंतर को कम करना है, जिसके तहत गैर-कॉर्पोरेट और गैर-कृषि आय सृजन गतिविधियों के लिए लघु व्यवसायों को समर्थन देने के लिए 20 लाख रुपये तक के सरल, आसान और बिना गारंटी वाले ऋण उपलब्ध कराए जाते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पिछले दशक में भारत ने एक ऐसा परिवर्तन देखा है, जहां करोड़ों आम नागरिकों ने नए आत्मविश्वास और सक्रियता के साथ उद्यमशीलता के क्षेत्र में कदम रखा है। सीतारमण ने कहा कि 11 बाद यह योजना देश में लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और अनगिनत व्यक्तिगत उद्यमियों के लिए ऋण परिदृश्य को नया रूप देने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है। वित्त मंत्री ने लाखों लोगों को सशक्त बनाने और समावेशी विकास के दृष्टिकोण को साकार करने में पीएमएमवाई की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि कुल मिलाकर 57.79 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी कुल राशि 40.07 लाख करोड़ रुपये है। इनमें से दो-तिहाई ऋण महिला उद्यमियों को स्वीकृत किए गए हैं। उनहोंने कहा कि लगभग एक-पांचवां हिस्सा पहली बार उद्यम शुरू करने वाले उद्यमियों को दिया गया है। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो नए उद्यमियों को 12 लाख करोड़ रुपये की राशि के साथ 12.15 करोड़ ऋण दिए गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम मुद्रा योजना उद्यमियों को सशक्त बनाना जारी रखेगी, ताकि वे 2047 तक विकसित भारत बनने की हमारी राष्ट्र की यात्रा में सक्रिय भागीदार बन सकें।

इक्सिगो ट्रेन्स एवं कन्फर्म टिकट ने ट्रेन में भोजन मुहैया कराने के लिए स्विगी के साथ की साझेदारी

नयी दिल्ली। ट्रेन टिकट बुकिंग मंच इक्सिगो ट्रेन्स एवं कन्फर्म टिकट ने खाद्य ऑनलाइन मंच स्विगी के साथ साझेदारी की बुधवार को घोषणा की। इस साझेदारी से यात्री देश के 160 से अधिक रेलवे स्टेशन पर 40,000 से अधिक रेस्तरां से खाना ऑर्डर कर पाएंगे। स्विगी के अनुसार यह सेवा ट्रेन यात्रियों के लिए सफर को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू की जा रही है। इसके जरिये यात्री अपने पसंदीदा भोजन को आसानी से ऑर्डर कर पाएंगे जो उन्हें सीधे उनकी सीट पर मिलेगा। इक्सिगो ट्रेन्स एवं कन्फर्म टिकट के मुख्य संचालन अधिकारी (सीओओ) श्रीपाद वैद्य ने कहा, '' स्विगी के साथ साझेदारी करके हम ट्रेन यात्रा से जुड़े अपने अनुभव को स्विगी के मजबूत रेस्तरां नेटवर्क एवं डिलीवरी विशेषज्ञता के साथ जोड़ रहे हैं जिससे हमारी मौजूदा 'फूड ऑन ट्रेन' सुविधा और मजबूत होगी।

अमेरिकी अदालत ने एसईसी धोखाधड़ी मामले में दायर अदाणी की याचिका पर सुनवाई की मंजूरी दी

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका की एक अदालत ने उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी की उस याचिका पर सुनवाई की अनुमति दे दी है, जिसमें अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) के धोखाधड़ी मामले को खारिज करने की अपील की गई है। उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी ने अमेरिकी अदालत से प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग की तरफ से दायर प्रतिभूति धोखाधड़ी मुकदमे को खारिज करने का अनुरोध किया था। अदाणी परिवार के वकीलों की तरफ से दलील दी गई है कि यह मामला अमेरिकी क्षेत्राधिकार से बाहर है और इसमें किसी भी तरह का गलत कार्य सिद्ध नहीं होता है। यह कदम तब उठाया गया जब अदाणी और उनके वकीलों ने अदालत में मामले को खारिज करने की याचिका दायर की। न्यूयॉर्क की पूर्वी जिला अदालत ने अपने आदेश में कहा, 'अदालत को प्रतिवादियों का पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने शिकायत को खारिज करने से पहले की बातचीत (प्री-मोशन कॉन्फ्रेंस) करने का अनुरोध किया है। अदालत इस अनुरोध को मंजूरी देती है और दोनों पक्षों को बातचीत का समय तय करने के निर्देश देती है। अदाणी के वकीलों ने कहा कि कथित रिश्वत योजना को साबित करने वाला कोई ठोस सबूत नहीं है। उन्होंने दलील दी कि जिन बयानों को आधार बनाकर यह मामला बनाया गया है, वे कानून की नजर में सजा देने या कार्रवाई करने योग्य नहीं हैं। यह मामला नवंबर, 2024 में शुरू हुआ था। इसमें अमेरिकी न्याय विभाग ने आरोप लगाया गया था कि अदाणी समूह ने भारत में सौर बिजली के ठेके लेने के लिए भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर से ज्यादा की रिश्वत देने की कोशिश की।

एफसीएल ने 615.67 करोड़ रुपये के ब्याज, मूलधन के भुगतान में चूक की

नयी दिल्ली। फ्यूचर कंज्यूमर लिमिटेड (एफसीएल) ने मार्च 2026 के अंत तक बैंकों, वित्तीय संस्थानों और असूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों से लिए गए ऋण के ब्याज और मूलधन के भुगतान में 615.67 करोड़ रुपये की चूक की है।

कर्ज में डूबे फ्यूचर ग्रुप की एफएमसीजी (रोजमर्रा की जरूत का सामान बनाने वाली) इकाई एफसीएल ने 31 मार्च, 2026 तक बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लिए गए 325.26 करोड़ के ऋण और अन्य नकद सुविधाओं के भुगतान में चूक की थी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इसमें बैंकों से लिया गया मूलधन और ब्याज दोनों शामिल हैं।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना आज 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,37,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु आज भी दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार के भाव यानी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,49,980 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,49,830 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,37,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,37,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

कानपुर पुलिस ने किडनी गिरोह के सदस्य परवेज सैफी को किया गिरफ्तार, नौ लाख रुपये भी बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर के चर्चित किडनी ट्रांसप्लांट गिरोह के मुख्य आरोपी डॉ. अफजल के करीबी परवेज सैफी को पुलिस ने देर रात रावतपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। डीसीपी एसएम कासिम आबिदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर फरार आरोपित को धर दबोचा है। पुलिस ने सैफी के पास से 09 लाख रुपये भी बरामद किए हैं। माना जा रहा है कि यह रकम किडनी तस्करी से हासिल की गयी है। इस गिरफ्तारी का आधार वह वायरल वीडियो बना, जिसमें सैफी और डॉ. अफजल 500 रुपये के नोटों के बीच बैठे थे। कानपुर नगर के थाना रावतपुर क्षेत्र में प्राइवेट अस्पतालों में अवैध किडनी की खरीद-फरोख्त के मामले में पुलिस ने देर रात एक और आरोपित परवेज सैफी को गिरफ्तार किया है। मेरठ निवासी परवेज सैफी को मिलाकर अब तक नौ आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस के अनुसार परवेज सैफी एक शातिर अपराधी है और डॉक्टर अफजाल के साथ मिलकर इस अवैध नेटवर्क में लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन का काम संभालता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि परवेज ऑपरेशन से पहले अस्पतालों और आसपास के क्षेत्रों की रेकी करता था। पुलिस सैफी के कब्जे से मिले

9 लाख रुपये को अवैध किडनी के सौदों से जुड़ी रकम मान कर जांच कर रही है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम एस.एम. कासिम आबिदी ने बुधवार को बताया कि जांच के दौरान वीडियो और ऑडियो साक्ष्य भी मिले हैं। एक ऑडियो में किडनी ट्रांसप्लांट के बाद एक महिला की मौत होने की बात सामने आई है, जिसकी गंभीरता से जांच की जा रही है। साथ ही डोनर और रिसिपिएंट के संबंध में भी पुलिस गहराई से पड़ताल कर रही है। वहीं, पहले गिरफ्तार आरोपित शिवम से पूछताछ में भी कई नए तथ्य सामने आए हैं, जिनके आधार पर पुलिस अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। पुलिस का मानना है कि इस रैकेट में अभी और भी लोगों की संलिप्तता हो सकती है, जिन तक पहुंचने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

देवरिया के लक्ष्मीपुर गांव में हुई घटना की न्यायिक जाँच हो : विजय रावत

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद के बरहज तहसील अंतर्गत लक्ष्मीपुर गाँव में बीते दिनों जमीन पैमाईश के दौरान एक अधिवक्ता की मौत और प्रकरण में प्रधान समेत कई लोगों पर हुए मुकदमे की घटना की न्यायिक जाँच किए जाने की माँग समाजवादी पार्टी (सपा) नेता विजय रावत ने उठाई है। उन्होंने इस संबंध में जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन बुधवार को सौंपा है। इस दौरान उन्होंने मृतक के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि घटना अत्यंत दुखद है और इसकी निष्पक्ष जाँच होना आवश्यक है। विजय रावत ने कहा कि बिना जाँच के किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से माँग की कि पहले पूरे प्रकरण की गहन जाँच कराई जाए, उसके बाद ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

देवरिया में भाजपा ने किया गांव चलो अभियान का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

देवरिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उत्तर प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर नवनिर्माण के 9 वर्ष पूर्ण होने पर ''विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश, गांव चलो-वार्ड चलो'' अभियान के तहत नगर कार्यकर्ताओं ने अभियान का बुधवार को शुभारंभ किया गया। नगर अध्यक्ष रमेश वर्मा, महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष भारती शर्मा, जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार दुबे एवं व्यापारी नेता हरेन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में गरुण पार से अभियान की शुरुआत की गई। नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह के नेतृत्व में साकेत नगर से शुभारंभ किया। कार्यकर्ताओं ने वार्डों में घूमकर सरकार के 9 साल की उपलब्धियों का प्रचार प्रसार किया। जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार दुबे ने

कहा कि केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने हर वर्ग का विकास किया है। नपा अध्यक्ष अलका सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार में महिला, दलित, शोषित वंचित और युवाओं का उत्थान किया है। नगर अध्यक्ष रमेश वर्मा ने सभी से इस अभियान में जुड़ने की अपील की। इस अवसर पर नगर महामंत्री सुधीर मद्धेशिया, रविशंकरनाथ त्रिपाठी, नगर उपाध्यक्ष अटल बरनवाल, रविंद्र राव, संजू सोनी, अजय कुमार सिंह, बजरंगी मणि, नगर मंत्री दीपू यादव, अमन वर्मा, हरेंद्र पाल, शक्ति केंद्र संयोजक सुशील जायसवाल, संतोष गुप्ता, साहिल, आकाश मिश्रा, सभासद सौरभ त्रिपाठी, पूर्व सभासद आनंद द्विवेदी, रवि पांडे, रूपम पांडे, दीपक वर्मा, अंकित वर्मा, पवन जायसवाल, बूथ अध्यक्ष संतोष गुप्ता, सोनू गुप्ता, छोटे चौहान, संतोष शुक्ला, राहुल गौड आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गर्मियों में यात्रियों की सुविधा के लिए चलाई जाएगी 12 विशेष ट्रेनें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। रेल यात्रियों की सुविधा के लिए और ग्रीष्म ऋतु में अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए रेलवे ने 12 विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है, जो मुरादाबाद रेल मंडल से होकर गुजरेंगी। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक आदित्य गुप्ता ने बुधवार को बताया कि रेलगाड़ी संख्या 05101-05102 गोरखपुर जंक्शन- न्यू दिल्ली-गोरखपुर जंक्शन साप्ताहिक स्पेशल एक्सप्रेस 11 अप्रैल से 12 जुलाई के बीच चलेगी। 05101 गोरखपुर जंक्शन-न्यू दिल्ली साप्ताहिक एक्सप्रेस 11 अप्रैल से 11 जुलाई के बीच चलेगी। ट्रेन संख्या 05102 न्यू दिल्ली- गोरखपुर जंक्शन साप्ताहिक स्पेशल एक्सप्रेस 12 अप्रैल से 12 जुलाई के बीच चलेगी। दोनों ट्रेनें 13-13 फ़ेरे लगाएगी। रेलगाड़ी संख्या 05193-05194 छपरा- पठानकोट-छपरा साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन 6 अप्रैल से 15 जुलाई के बीच चलेगी। 05193 छपरा- पठानकोट साप्ताहिक 6 अप्रैल से 13 जुलाई के बीच प्रत्येक सोमवार को व 05194 पठानकोट- छपरा साप्ताहिक 8 अप्रैल से 15 जुलाई के बीच प्रत्येक बुधवार को चलेगी। दोनों ट्रेनें 15-15 फ़ेरे लगाएगी। रेलगाड़ी संख्या 04512-04511 चंडीगढ़- पटना-चंडीगढ़ आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस 16 अप्रैल से 10 जुलाई के बीच चलेगी। 04512 चंडीगढ़- पटना 16 अप्रैल से 9 जुलाई के बीच और 04511 पटना- चंडीगढ़ आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस 17 अप्रैल से 10 जुलाई के बीच चलेगी। दोनों ट्रेनें 13-13 फ़ेरे लगाएगी। रेलगाड़ी संख्या 04520-04519 भटिंडा- वाराणसी- भटिंडा आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस 15 अप्रैल से 16 जुलाई के बीच चलेगी। 04520 भटिंडा- वाराणसी 15 अप्रैल से 15 जुलाई के बीच प्रत्येक बुधवार और शनिवार को एवं 04519 वाराणसी- भटिंडा 16 अप्रैल से 17 जुलाई के बीच प्रत्येक गुरुवार और रविवार को चलेगी। दोनों ट्रेनें 27-27 फ़ेरे लगाएगी। ट्रेन संख्या 04312-04311 योग नगरी ऋषिकेश- कोलकाता - योग नगरी ऋषिकेश आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस 17 अप्रैल से 12 जुलाई के बीच चलेगी। 04312 योगनगरी ऋषिकेश- कोलकाता 17 जुलाई से 10 जुलाई के बीच प्रत्येक शुक्रवार को और 04311 कोलकाता - योगनगरी ऋषिकेश 19 अप्रैल से 12 जुलाई के बीच प्रत्येक रविवार को चलेगी। दोनों ट्रेनें 13-13 फ़ेरे लगाएगी। ट्रेन संख्या 04624-04623 अमृतसर- कोलकाता- अमृतसर आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस 13 अप्रैल से 2 जुलाई के बीच चलेगी। 04624 अमृतसर- कोलकाता- अमृतसर आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस 13 अप्रैल से 29 जून के बीच प्रत्येक सोमवार को और 04623 कोलकाता अमृतसर 16 अप्रैल से 2 जुलाई के बीच प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। दोनों ट्रेनें 12-12 फ़ेरे लगाएगी।

मीरजापुर में आंधी -तूफान में बहा पांटून पुल, थम गई आवाजाही

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मिर्ज़ापुर में तेज आंधी-तूफान ने मंगलवार रात जोपा-रामपुर घाट पांटून पुल की रफ्तार थाम दी। छानबे क्षेत्र के जोपा गांव के सामने गंगा नदी में बना यह पुल आंधी के झोंकों को नहीं झेल सका और इसके दो पीपा करीब 200 मीटर दूर बह गए। बुधवार सुबह जैसे ही लोग पुल पार करने पहुंचे, उनके कदम ठिठक गए। पुल बंद होने से भदोही के गोपीगंज, जंगीगंज और ज्ञानपुर जाने वाले व्यापारी व मजदूर मायूस नजर आए, वहीं मीरजापुर के लालगंज से लेकर मध्यप्रदेश तक आवाजाही करने वाले लोग भी परेशान हो गए। हालात ऐसे रहे कि बाइक सवार और पैदल यात्री जान जोखिम में डालकर नाव के सहारे गंगा पार करने को मजबूर दिखे। कार्यदायी संस्था पीडब्ल्यूडी भदोही के अवर अभियंता अंशू मिश्र ने बताया कि मरम्मत कार्य तेज़ी से कराया जा रहा है। करीब डेढ़ दर्जन मजदूरों को लगाया गया है और नए पीपा की व्यवस्था की जा रही है। बह गए पीपा को वापस खींचकर जोड़ने का काम भी जारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मौसम ने साथ दिया तो शाम तक पुल पर आवागमन बहाल कर दिया जाएगा। हालांकि लोगों की निगाहें अब आसमान पर टिकी हैं, क्योंकि एक और आंधी आई तो मरम्मत कार्य फिर प्रभावित हो सकता है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

टाइपिंग परीक्षा में असफल होने पर तीन कर्मचारी पदावनत : जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर में कलेक्ट्रेट में तैनात तीन कर्मचारियों को टाइपिंग परीक्षा में लगातार असफल रहने पर पदावनत कर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बना दिया गया है। नियमों के अनुसार कार्य क्षमता और दक्षता अनिवार्य है, इसलिए बार-बार अवसर देने के बावजूद मानक पूरा न करने पर यह कार्रवाई की गई। प्रशासनिक अनुशासन बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाना जरूरी है और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। यह जानकारी जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने दी है। कलेक्ट्रेट में तैनात तीन कनिष्ठ लिपिकों पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें बाबू के पद से हटाकर चपरासी बना दिया। इस कार्रवाई से दफ्तर में खलबली मच गई और अन्य कर्मचारियों के बीच भी चर्चा का विषय बन गई। अपर जिलाधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने बुधवार को बताया कि नेहा श्रीवास्तव, प्रेमनाथ यादव और अमित कुमार यादव को वर्ष 2023 में मृतक आश्रित कोटे से नौकरी मिली थी। नियुक्ति के एक वर्ष के भीतर टाइपिंग परीक्षा पास करना अनिवार्य होता है, जिसमें प्रति मिनट 25 शब्द टाइप करना जरूरी है। वर्ष 2024 में पहली बार हुई परीक्षा में तीनों कर्मचारी असफल रहे, जिस पर प्रशासन ने वेतन वृद्धि रोकते हुए उन्हें एक और मौका दिया। इसके बावजूद वर्ष 2025 में दोबारा हुई परीक्षा में भी वे निर्धारित मानक हासिल नहीं कर सके। लगातार दूसरी बार असफल रहने पर प्रशासन ने नियमों के तहत कड़ा कदम उठाते हुए तीनों को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बना दिया। साथ ही उनकी वेतन वृद्धि भी रोकी गई है।

पशु चोरों से मुठभेड़, घायल सहित दो गिरफ्तार, 1.27 लाख नकदी बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोण्डा। उत्तर प्रदेश के गोण्डा जिले में नवाबगंज थाना क्षेत्र में देर रात पुलिस और पशु चोरों के बीच मुठभेड़ हो गई। एसओजी और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, वाहन और 1.27 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। नवाबगंज थाना क्षेत्र में पुलिस को उस समय बड़ी सफलता मिली जब देर रात पशु चोरों के एक सक्रिय गिरोह से आमना-सामना हो गया। सूचना के आधार पर एसओजी और सर्विलांस टीम ने घेराबंदी की, जिसके बाद बदमाशों ने भागने का प्रयास किया और मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया और उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। दूसरा आरोपी भी मौके से दबोच लिया गया। गिरफ्तार बदमाश अंतरजनपदीय गिरोह से जुड़े बताए जा रहे हैं, जो कई

जिलों में पशु चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से अवैध तमंचा, जिंदा और खोखा कारतूस, एक चार पहिया वाहन तथा 1 लाख 27 हजार रुपये नकद बरामद किए। पुलिस के अनुसार यह रकम चोरी की गई भैंसों को बेचकर जुटाई गई थी। दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं और अब पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि जिले नवाबगंज थाना क्षेत्र में देर रात पशु तस्करों के एक गिरोह से नवाबगंज पुलिस एसओजी टीम से मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में दद्दन पुत्र हनीफ पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में लोग गोली लगने से घायल हो गया। इसे तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसका साथी फारूक भी गिरफ्तार हुआ है। यह दोनों बदमाश अयोध्या जिले के रौनाही थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। इन दोनों बदमाशों द्वारा गोंडा और बस्ती में भैंस चोरी किया गया था। इन बदमाशों के कब्जे से एक अवैध तमंचा दो जिंदा कारतूस पिकअप गाड़ी तथा 1 लाख 27 हजार की नगदी बरामद किया गया है। इन दोनों बदमाशों के खिलाफ जनपद गोंडा तथा बस्ती में दद्दन के खिलाफ आठ मुकदमे तथा फारुख के खिलाफ चार मुकदमे पहले से दर्ज हैं। इन दोनों बदमाशों के खिलाफ थाना नवाबगंज द्वारा वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

आगरा में डा. अंबेडकर जयंती शोभायात्रा 14 अप्रैल को, 15 से 17 अप्रैल तक भीम नगरी कार्यक्रम

- तीन दिवसीय भीम नगरी में मुख्य मंच होगा 'सम्राट अशोक के महल का प्रतिरूप'

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

आगरा। संविधान निर्माता बाबा साहब डा0भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती पर उत्तर भारत की ऐतिहासिक शोभायात्राओं में से एक आगरा की शोभायात्रा 14 अप्रैल को परंपरागत रूप से निकाली जाएगी । इस यात्रा के बाद तीन दिवसीय भीम नगरी का भव्य आयोजन किया जाएगा। इसमें कई सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम होंगे। इसके लिये थाना शाहगंज क्षेत्र अंतर्गत गयासपुरा में मुख्य कार्यक्रम का मंच जीआईसी मैदान में तैयारियां शुरु हो गयीं। कार्यक्रम के दौरान यातायात बदला रहेगा।

डा0भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर आगरा में प्रतिवर्ष की भांति निकाली जाने वाली परंपरागत शोभा यात्रा 14 अप्रैल को थाना क्षेत्र मंटोला अंतर्गत काजीपाड़ा से शुरू होगी। शोभा यात्रा का शुभारंभ परंपरागत रूप से जिलाधिकारी एवं पुलिस आयुक्त द्वारा किया जाएगा। यह यात्रा 14 अप्रैल को सांय नाला काजीपाड़ा से चक्की पाट, बिजली घर, जोहरी बाजार, रावतपाड़ा, जामा मस्जिद,पीपल मंडी, काला महल,गुडरी मंसूर खान, घटिया आजम खान, सेब का बाजार और 12 चौक कोतवाली रिंग की मंडी सदर भट्टी एमजी रोड से होकर ईदगाह, नामनेर, जिला अस्पताल होती हुई सुभाष पार्क से पंचकुइयां होकर 15 अप्रैल को सुबह (भीम नगरी) जीआईसी मैदान पहुंचेगी। शोभायात्रा में सम्मिलित होने के लिए तीन हाथी निकाले जाते हैं, शोभा यात्रा का पहला हाथी अंबेडकर भवन नाला काजीपाड़ा से निकलेगा दूसरा हाथी मरहमपुलिया बस्ती नाल काजीपाड़ा से, और तीसरा हाथी केंद्रीय आयोजब समिति की ओर से अंबेडकर पार्क बिजली घर से निकला जाएगा। ये तीनों हाथी सांय 6 बजे शोभायात्रा के उद्गम स्थल शिव कंचन होटल चक्की पाट बाजार में एकत्रित होंगे। पहले यह असली हाथी होते थे, लेकिन वर्तमान में लकड़ी के हाथियों को रखा जाता है।

सम्राट अशोक के महल की कल्पना पर आधारित है इस वर्ष का भीम नगरी मंचः भीम नगरी आयोजन समिति की केंद्रीय कमेटी के अध्यक्ष धर्मेंद्र सोनी ने बताया कि इस वर्ष भीम नगरी में मुख्य मंच भगवान बुद्ध के संदेशों को दुनिया भर में पहुंचने वाले सम्राट अशोक के महल की तर्ज पर निर्मित किया जा रहा है। इसके निर्माण में कोलकाता से आए 80 से ज्यादा कारीगर लगे हुए हैं । यह महल 100 फीट ऊंचा 300 फीट चौड़ा बनाया जा रहा है । महल के टॉप पर पंचशील का झंडा राष्ट्रध्वज के साथ फहराया जाएगा। महल के सामने एक मुख्य कार्यक्रम मंच तैयार किया जा रहा है, जो 200 फीट लंबा 70 फीट चौड़ा और 6 फीट ऊंचा होगा,जहां से मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों के संबोधन के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। भीम नगरी आयोजन समिति के संरक्षक करतार सिंह भारतीय एडवोकेट ने बताया के 15 अप्रैल को सांय काल भीम नगरी का उद्घाटन होगा और इसी दिन भगवान बुद्ध और डा0अंबेडकर के जीवन आदर्शो पर प्रकाश डाला जाएगा। 16 अप्रैल को 101 जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम है जिसके लिए पंजीकरण चल रहे हैं। इसके अगले दिन 17 अप्रैल को मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान और वर्ष 2027 के लिए भीम नगरी के आयोजन स्थल के लिए घोषणा की जाएगी।

1957 से निकल रही है आगरा में शोभायात्राः डॉक्टर अंबेडकर के अनुयायियों में बाबा साहेब के प्रति अटूट आस्था की प्रतीक यह शोभा यात्रा परंपरा के रूप में वर्ष 1957 से चली आ रही है। 1996 से इसमें आगरा की राम बारात की तर्ज पर 'भीमनगरी' कार्यक्रम और जोड़ा गया।

फूलबाग अग्निकांड : हर प्रभावित दुकानदार को मिले 2.75 लाख का मुआवजा : सिद्धार्थ काशीवार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। फूलबाग अग्निकांड ने दर्जनों परिवारों की जिंदगी को झकझोर कर रख दिया है। व्यापारियों की वर्षों की मेहनत पलभर में राख हो गई। पीड़ित परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे में उन्हें तत्काल सहायता और सुरक्षित भविष्य की आवश्यकता है। ह्रहर प्रभावित दुकानदार को कम से कम 2.75 लाख रुपये का मुआवज़ा मिलना चाहिए। यह बातें मंगलवार को व्यापार मंडल अध्यक्ष सिद्धार्थ काशीवार ने कही। फूलबाग मंडी में हुए भीषण अग्निकांड को लेकर उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल ने पीड़ित व्यापारियों के समर्थन में आंदोलन का ऐलान कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष वीएस गुप्ता के निर्देश पर कानपुर मंडल के पदाधिकारियों ने मंडल अध्यक्ष सिद्धार्थ काशीवार के नेतृत्व में पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होकर मुआवज़े और सुरक्षा की मांग को लेकर संघर्ष शुरू किया। इस अग्निकांड में कुल 32 परिवार प्रभावित हुए हैं, जिनकी आजीविका पूरी तरह नष्ट हो गई। व्यापारियों ने बताया कि कई लोगों की जिंदगीभर की कमाई इस हादसे में जलकर राख हो गई। कुछ परिवार ऐसे हैं जिनके सामने अब जीवनयापन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। सिद्धार्थ काशीवार ने आरोप लगाया कि यह घटना लापरवाही का परिणाम है, जिसकी कीमत निर्दोष व्यापारियों को चुकानी पड़ी। उन्होंने

कहा कि किसी की बेटी की शादी निकट है, किसी के बच्चों की पढ़ाई का खर्च था तो किसी का इलाज होना था, लेकिन आग ने सब कुछ खत्म कर दिया। उन्होंने एक बुजुर्ग महिला का उदाहरण देते हुए बताया कि उसकी बेटी की शादी एक महीने बाद है और शादी के लिए जुटाई गई पूरी रकम आग में जल गई। व्यापार मंडल बीते दो दिनों से लगातार पीड़ितों के साथ खड़ा है। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक प्रभावित दुकानदार को कम से कम दो लाख पचहत्तर हजार रुपये का मुआवज़ा दिया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। व्यापार मंडल ने यह भी घोषणा की कि वह मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपकर अपनी मांगों को लेकर औपचारिक रूप से आंदोलन शुरू करेगा। इस दौरान संगठन मंत्री आनंद गुप्ता, नरेश कठेरिया, अजय प्रकाश तिवारी, अजय श्रीवास्तव शीलू, जितेंद्र गिरि, दिलीप सिंह, राम शंकर राय, विनोद अवस्थी, प्रीति सोनकर सहित अन्य पदाधिकारी और सभी 32 प्रभावित परिवार उपस्थित रहे।